SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 154 | गुवाहाटी | शनिवार, 30 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारतीयों का हित हमारी सबसे बड़ी चिंता : विदेश मंत्रालय — पेज 2
ग्रेनेड विस्फोटों में शामिल सभी अल्फा-स्वा कैडर गिरफ्तार — पेज 3
मोदी ने गरीबों को दिया ताकत, प्रशस्त हुआ देश के प्रगति का मार्ग : गिरिराज सिंह — पेज 5
भारतीय फुटबॉल टीम के लिए शानदार रहा यह साल, तीन खिताब जीते... — पेज 7

असम में अब उग्रवाद का अंत!

अल्फा और केंद्र के बीच हुआ ऐतिहासिक शांति समझौता

नई दिल्ली। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता समर्थक गुट ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केंद्र और असम सरकार के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में हस्ताक्षरित समझौता, अरबिंद राजखोवा के नेतृत्व वाले अल्फा गुट और सरकार के बीच 12 साल की बिना शर्त बातचीत के बाद हुआ है। इस शांति समझौते से असम में दशकों पुराने उग्रवाद के खत्म होने की उम्मीद है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह मेरे लिए खुशी की बात है कि आज का दिन असम के भविष्य के लिए एक उज्ज्वल दिन है। लंबे समय तक, असम और पूर्वोत्तर को हिंसा का सामना करना पड़ा और 2014 में पीएम मोदी के पीएम बनने के बाद, दिल्ली और पूर्वोत्तर के बीच अंतर को कम करने के प्रयास किए गए। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा ने कहा कि आज असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल और गृह मंत्री अमित शाह के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के भविष्य के लिए सुनहरा दिन : केंद्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) का तीन दशक से अधिक पुराना सशस्त्र संघर्ष खत्म हो गया है। गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में अल्फा के प्रतिनिधियों ने त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर दिया। अमित शाह ने इसे असम के भविष्य के लिए सुनहरा दिन करार दिया है। शाह के अनुसार अल्फा के साथ शांति समझौते के साथ ही असम में सभी सशस्त्र संघर्ष करने वाले गुट हथियार डालकर मुख्य धारा में लौट आए हैं। अमित शाह ने कहा कि शांति समझौते के बाद अल्फा के 700 सशस्त्र कैडर हथियार डालकर मुख्य धारा में लौट जाएंगे। इसके पहले बोड़ो, आदिवासी, कार्बी और डीमासा उग्रवादी गुटों के साथ समझौता हो -शेष पृष्ठ दो पर

शांति समझौते का होगा शत प्रतिशत क्रियान्वयन : डॉ शर्मा

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के साथ शुक्रवार को दिल्ली में केंद्र व राज्य सरकार और अल्फा के साथ हुए शांति समझौते का राज्य में शत-प्रतिशत क्रियान्वयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को नई दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और अल्फा के बीच त्रिपक्षीय समझौता के बाद उपस्थित समूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्फा का जन्म असम को स्वाधीन बनाने के लिए हुआ था। बाद में यह सशस्त्र संग्राम में बदल गया। इस संग्राम में 10 हजार से अधिक लोग मारे गए। मारे गए लोगों में से 95 फ़ीसदी लोग असमिया नागरिक थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के इस काले इतिहास में मरने वालों के परिजनों को यह पता नहीं था कि उनके परिवार वालों को क्यों मारा गया और मारने वालों को भी यह पता नहीं था कि आखिर क्यों मार रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आखिरकार अल्फा अध्यक्ष अरविंद राजखोवा के नेतृत्व में यह संग्राम समाप्त हुआ। बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से आज अल्फा के साथ केंद्र व राज्य सरकार के बीच समझौत पर हस्ताक्षर हो गए। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि सन् 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

श्लोक पोस्ट पर विवाद : सीएम ने मांगी माफी, ओवैसी ने साधा निशाना

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जातिवादी टिप्पणियों वाला एक पोस्ट अपलोड किया था। जिसके बाद मामले को बढ़ता देख अब शर्मा ने माफी मांगी है।उन्होंने माफी मांगते हुए कहा है कि उनकी टीम ने भगवद गीता के एक श्लोक का *गलत अनुवाद* किया है। शर्मा ने गुरुवार रात एक्स और फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि वह हर सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भगवद गीता का एक श्लोक अपलोड करते हैं, जिसमें अब तक 668 श्लोक पोस्ट हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में मेरी टीम के एक सदस्य ने अध्याय 18 श्लोक 44 से एक श्लोक गलत अनुवाद के साथ पोस्ट किया। जैसे ही मुझे गलती का एहसास हुआ, मैंने तुरंत पोस्ट हटा दी... अगर डिलीट की गई पोस्ट से किसी को ठेस पहुंची है, तो मैं ईमानदारी से -शेष पृष्ठ दो पर

देशभक्ति और एकता ही स्वतंत्रता का आधार : भागवत

माजुली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता का आधार देशभक्ति और आपसी एकता है। इसके बिना तो स्वतंत्रता ही खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने राष्ट्र को युगानुकूल स्वत्व के आधार पर विकसित करना है। संघ के गठन के पीछे मुख्य उद्देश्य समाज को राष्ट्रभक्त, संगठित और ओजस्वी स्वाभिमान से परिपूर्ण बनाने की दिशा में जागृत करना है। डॉ. भागवत असम के माजुली में गणवेशधारी स्वयंसेवकों के *लुइत सुबनसिरी समावेश* को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्वयंसेवकों से सवाल किया कि क्या भारत अपनी कड़ी मेहनत से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बावजूद उसमें *स्व* या स्वत्व को बरकरार रखने में सक्षम था? डॉ. भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि हमारा *स्व* हमारे समय के परिरक्षित पारंपरिक ज्ञान और दुनिया भर के सर्वोत्तम ज्ञान द्वारा समर्थित पीढ़ीगत आवश्यकताओं पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विगत शताब्दियों में दुनिया को भौतिकवादी आकांक्षाओं पर आधारित दोषपूर्ण मानकों के कारण विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा है। हमारा भारतीय मॉडल समाज को सभी पहलुओं में आत्मनिर्भर बनाने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत अपने भौगोलिक स्थिति के कारण हिंदुकुश पर्वत से अराकान तक बाहरी आक्रमणों से सुरक्षित था; इसलिए हमारे पूर्वजों को आध्यात्मिक, कलात्मक और साथ ही भौतिक रूप से विकास के चरम तक -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

एनएससीएन (के-वाईए) ने पूर्व विधायक की हत्या की जिम्मेदारी ली

इटानगर। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन एनएससीएन (के-वाईए) से संबंधित युंग आंग गुट ने अरुणाचल के पूर्व विधायक युमसेन माटे की हत्या की जिम्मेदारी ले ली है। बंदूकधारियों ने पूर्व कांग्रेस विधायक माटे की हत्या 16 दिसंबर को भारत-म्यांमार सीमा पर तिरप जिले के राहो गांव में गोली मारकर कर दी थी। उग्रवादी संगठन ने गुरुवार को एक बयान जारी करके हत्या की जिम्मेदारी ली। बयान में कहा गया कि युमसेन माटे लगातार एनएससीएन के विरोध में काम -शेष पृष्ठ दो पर

हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की तैयारी में भारत, पाकिस्तान सरकार को भेजे दस्तावेज

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है। दरअसल, हाफिज सईद 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों सहित विभिन्न आतंकवादी हमलों के लिए वांटेड है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि आतंकवादी के प्रत्यर्पण की मांग करने वाले कुछ दस्तावेजों के साथ अनुरोध हाल ही में इस्लामाबाद भेजा गया है। बागची ने अपने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि हाल ही में प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध भेजा गया था। मालूम हो कि सईद संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी है। हाफिज सईद को सौंपने के लिए पाकिस्तान के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि संबंधित व्यक्ति भारत में कई मामलों में वांटेड है। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में जेएन.1 सब-वेरिएंट का पहला मामला आया सामने

सेनापति (मणिपुर)। देश में कोविड के मामलों में एक बार फिर तेजी देखने को मिल रही है। दरअसल, लंबे समय के बाद मणिपुर में कोविड-19 का एक ताजा मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सेनापति के पाओमाटा जिले के रहने वाले एक शख्स में जेएन.1 वेरिएंट के लक्षण पाए गए हैं। बताया जा रहा है कि इस शख्स ने दिल्ली से डीमापुर तक हवाई यात्रा की थी और उसके बाद सड़क मार्ग से डीमापुर से सेनापति तक यात्रा की थी। वायरस की जांच करने के लिए सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शत्रुओं से अपने राज्य की पूर्ण रक्षा करें।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

तेजपुर विवि के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने असम आएंगे रक्षामंत्री

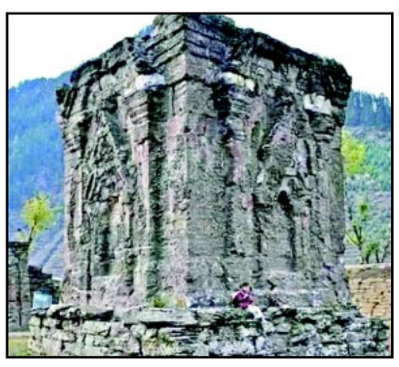

गुवाहाटी। असम के तेजपुर स्थित तेजपुर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेने के एक 31 दिसंबर को एक दिवसीय दौरे पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह असम आएंगे। इस दौरान रक्षामंत्री विद्यार्थियों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान करने के बाद उन्हें संबोधित करेंगे। विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में 783 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर (पीजी) डिग्री, 428 को स्नातक (यूजी) की डिग्री, 5 को पीजी डिप्लोमा और -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके में पाकिस्तानी सेना का शारदा पीठ पर कब्जा स्थानियों ने पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

बेंगलुरु। पाकिस्तानी सेना के पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में शारदा मंदिर परिसर पर कब्जा किए जाने को लेकर शारदा बचाओ समिति (एसएससी) ने रोष जताया और शुक्रवार को पाकिस्तान सेना के अधिक्रमण को हटाने के लिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई, ताकि मंदिर के जीर्णोद्धार का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। एसएससी के संस्थापक रविंदर पंडिता ने बेंगलुरु के प्रेस क्लब में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने शारदा मंदिर परिसर पर कब्जा किया था और समिति के पक्ष में कोर्ट के आदेश के बावजूद वहां पर *कॉफी होम* बनाया है। उन्होंने कहा, शारदा बचाओ समिति भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तानी सेना द्वारा हाल ही में शारदा पीठ परिसर में बनाए गए कॉफी होम को हटाने और कब्जा करने का मुद्दा उठाने का अनुरोध किया। यह तीन जनवरी, 2023 को पीओके के सुप्रीम कोर्ट को ऐतिहासिक आदेश के बावजूद है, जिसमें शारदा बचाओ समिति के पक्ष में फैसला सुनाया गया था। उन्होंने कहा कि पीओके में नागरिक समाज ने भी इस मुद्दे और बाउंड्री वॉल को हुए नुकसान के बारे में एसएससी के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

अनुच्छेद 370 पर एससी के फैसले को संघवाद के नजरिए से नहीं देखा जा सकता : जस्टिस कौल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संघवाद की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के कुछ वर्गों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना की। बता दें कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया था, जिसे (अनुच्छेद 370) ने 2019 में निरस्त किया था। इसके बाद कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट क आलोचना की थी। जस्टिस संजय किशन कौल ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि कश्मीर से जुड़े फैसले को संघवाद के नजरिए से नहीं देखा जा सकता है। ऐसा नहीं है कि कश्मीर में जो हुआ है उसे दोहराया जाना है या कहीं और दोहराया जा सकता है। जस्टिस कौल ने कहा कि इसका कारण यहा है कि कश्मीर का भारत में विलय कुछ अलग तरह से किया गया। सरकार ने संविधान के दायरे में रहकर, सरकारी आदेश -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, LAKA SUNITHA Spouse of No: 14437084A Hav, LAKA VENKATA RAMANAIAH resident of Village: Oguruvandlapalli, Pin No: 524310, Dist: Nellore, State: Andhra Pradesh, Have changed my name from SUNITHA vide affidavit dated: 28/12/2023 before Notary at Udalguri, Assam.

भारतीयों का हित हमारी सबसे बड़ी चिंता : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। कतर की अदालत द्वारा भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों की मौत की सजा को कम किए जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनकी सजाएं कम कर दी गई हैं, लेकिन (अदालत का) विस्तृत फैसला देखने तक उनके पास साझा करने के लिए कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं है। उन्होंने मीडिया से फिर से आग्रह किया कि वह अटकलों में शामिल न हों। बागची ने कहा कि भारतीयों और उनके परिवार के सदस्यों का हित हमारी सबसे बड़ी चिंता है। हम निश्चित रूप से कानूनी टीम और परिवार के सदस्यों के साथ अगले संभावित कदमों पर भी चर्चा करेंगे। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बेबी अरिहा मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हम इसकी निगरानी करना जारी रखेंगे। मेरे पास इस सप्ताह कोई तत्काल अपडेट नहीं है। हमारे पास राजनयिक पहुंच (कॉन्सुलर एक्सेस) है। हम भारतीय संस्कृति में बच्चे के पालन-पोषण को

सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा मे काम कर रहे हैं। भारतीय त्योहारों, रीति-रिवाजों और प्रथाओं से संबंधित संसाधन सामग्री जर्मन अधिकारियों को सौंप दी गई है। उन्होंने कहा कि हम बच्ची की सांस्कृतिक, राष्ट्रीय पहचान और अधिकारों की रक्षा करने और उसकी भारत वापसी सुनिश्चित करने के लिए जर्मन अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। कनाडा में लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष के बेटे के आवास पर हुई गोलीबारी पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ब्रिटिश कोलंबिया में उस घटना के बारे में हमारी समझ यह है कि यह एक निजी आवास पर हुई थी। यह घटना निश्चित रूप से मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य से संबंधित थी। मैं समझता हूं कि इस मामले में जांच चल रही है। मुझे नहीं लगता कि इस स्तर पर इसके पीछे की प्रेरणाओं या विवरणों पर टिप्पणी करना उचित है। मानव तस्करी के संदेह में फ्रांस में चार दिनों तक भारतीय यात्रियों को लेकर खड़े रहे विमान को लेकर भी बागची ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पेरिस के पास तकनीकी ठहराव के दौरान इसे उड़ान भरने से रोक दिया गया और कुछ भारतीय वहां ठहरे हैं, जिनकी सटीक संख्या मेरे पास नहीं है। उन्हें फ्रांसिसी अधिकारियों द्वारा स्थानीय कानूनों के अनुसार निपटाया जा रहा है। अगर उन्हें हमसे किसी मदद की जरूरत है, तो हम राजनयिक सहायता प्रदान करेंगे। मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रत्यर्पण को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह व्यक्ति भारत में कई मामलों में वांछित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी है। इस सबंध में, हमने पाकिस्तान सरकार को संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एक अनुरोध से अवगत कराया है कि उसे एक विशेष मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए भारत प्रत्यर्पित किया जाए।

रूस की बमबारी से हिला यूक्रेन, 24 की मौत

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने एक बार फिर घातक रूप ले लिया है। इसी बीच रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन के ऊपर 122 मिसाइलों और दर्जनों ड्रोन्स से हमला किया। रूसी हमले में 24 लोगों के मरने की खबर है। यूक्रेन की वायु सेना के एक अधिकारी कहा कि यह युद्ध का सबसे बड़ा हवाई हमला था। यूक्रेन के सैन्य प्रमुख वलेरी जालुजनी ने कहा, यूक्रेन की वायु सेना ने रूस के ज्यादातर हमलों को हवा में मार गिराया। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि हमने रूस की 158 में से 87 क्रूज मिसाइलों और 27 ड्रोनों को मार गिराया है। रूसी हमले में 24 लोगों की मौतों के साथ में 130 से अधिक घायल हो गए हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि आज लाखों यूक्रेनवासी मिसाइलों विस्फोटों की तेज आवाज सुनकर जाग गए। विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि राजधानी कीव में तीन लोगों के मारे जाने की खबर है। यूक्रेन वायु सेना के कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि फरवरी 2022 में शुरू हुए युद्ध के बाद यह सबसे बड़ा हवाई हमला था। यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने इससे पहले नवंबर 2022 में यूक्रेन के ऊपर 96 मिसाइलें दागी थीं। यूक्रेन के सेना प्रमुख ने कहा कि हमले में देश के बुनियादी ढांचे, औद्योगिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। हालांकि, इस घातक हमले के बाद रूस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दे कि रूस शुरुआत से ही नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार करता रहा है।

मुस्लिम महिलाओं का अपमान करने के आरोप में आरएसएस नेता के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं : कर्नाटक एचसी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य को निर्देश दिया है कि 24 दिसंबर को श्रीरंगपट्टनम में कथित तौर पर मुस्लिम महिलाओं का अपमान करने वाले अपने भाषण के लिए आरएसएस नेता कल्लाडका प्रभाकर भट्ट के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। भट्ट की याचिका पर सुनवाई करने वाली न्यायमूर्ति राजेश राय की अवकाश पीठ ने गुरुवार को मामले में राज्य और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया और राज्य लोक अभियोजक को सुनवाई की अगली तारीख तक दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया। इसलिए मामले में भट की गिरफ्तारी रुकी हुई है। भट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अरुण श्याम ने दलील दी कि मामला राजनीति से प्रेरित था और आरएसएस नेता ने केवल वही तथ्य बताए थे जो बोलने के अधिकार के तहत संरक्षित थे। एक सामाजिक कार्यकर्ता नजमा नजीर ने शिकायत दर्ज कराई थी और श्रीरंगपट्टनम पुलिस ने भट पर धारा 354 (महिला की शील भंग करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल), 294 (सार्वजनिक स्थान पर अश्लील शब्द बोलने से संबंधित) 509 (किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य), 153ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 295 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना), 295ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य, जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वसों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 298 (जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया था। इस बीच, मांड्या में तृतीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने भट की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में उनकी दलील के बाद श्रीरंगपटना मामले में उन्हें जमानत दे दी। 5 अप्रैल, 2022 को भट्ट की कार्डियोवस्कुलर सर्जरी हुई। इसलिए याचिकाकर्ता के इस तर्क में दम है कि वह हृदय संबंधी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है, सत्र न्यायालय ने नोट किया और सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसलों का हवाला देते हुए भट्ट को अग्रिम जमानत दे दी। उन्हें 2 लाख रुपये का निजी बांड और इतनी ही राशि की जमानत राशि जमा करने का निर्देश दिया गया था।

नागपुर में ट्रक ने भाई-बहन को कुचला

नागपुर। नागपुर में शुक्रवार को कूड़ा ले जा रहे एक ट्रक ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे वाहन सवार 20 वर्षीय युवती और उसके 15 वर्षीय भाई की मौत हो गई, जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने ट्रक को आग लगा दी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वाठोडा थाने के अधिकारी ने बताया कि घटना बिडगांव चौराहे पर शुक्रवार अपराह्न हुई। अधिकारी ने बताया कि अंजलि नानेलाल सैनी (20) और सुमित नानेलाल सैनी (15) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वहां मौजूद भीड़ ने ट्रक को आग लगा दी। गुस्साई भीड़ ने आग को बुझाने के लिए भेजे गए नागपुर नगर निगम के दमकल वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया। अधिकारी के मुताबिक कि स्थानीय पुलिसकर्मियों और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के जवानों को इलाके में तैनात किया गया।

घर के अंदर मिले एक ही परिवार के पांच लोगों के कंकाल, कुत्ते घर से खोपड़ी निकाल लाए

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक हैरान तक देने वाला मामला सामने आया है। चित्रदुर्ग के जेल रोड स्थित एक घर के अंदर पुलिस को पांच लोगों के कंकाल मिले हैं। जिससे पूरे इलाके में सनसनी मच गई। फोरेंसिक टीम और सीन ऑफ क्राइम के अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने एकत्र किए। यह घटना तब सामने आई जब पुलिस को एक खोपड़ी के बारे में जानकारी मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि घटना कब हुई, लेकिन पुलिस को संदेह है कि लगभग तीन साल पहले पांच लोगों के परिवार की आत्महत्या से मौत हो गई होगी। यह घर एक सेवानिवृत्त पीडब्ल्यूडी कार्यकारी अभियंता जगन्नाथ रेड्डी का था। वह अपनी पत्नी प्रेमक्का और बेटी त्रिवेणी और बेटों कृष्णा रेड्डी और नरेंद्र रेड्डी के साथ रहते थे। क्षेत्र के निवासियों के अनुसार, जगन्नाथ रेड्डी लगभग 80 वर्ष के थे और उनके किसी भी बच्चे की शादी नहीं हुई थी। पड़ोसियों ने दावा किया कि परिवार बहुत कम ही किसी से बातचीत करता था और अपने तक ही सीमित रहता था। उनका दावा है कि उन्होंने पिछले तीन साल से परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देखा है। घटना तब सामने आई जब कुछ लोगों ने घर के दरवाजे पर एक खोपड़ी देखी जो आंशिक रूप से खुली हुई थी। निवासियों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घर में प्रवेश करने के बाद पांच आंशिक रूप से विघटित शव देखे। पुलिस को संदेह है कि दरवाजा चोरों ने खोला होगा और गली के कुत्ते उसमें से घुसकर खोपड़ी को घर से बाहर ले आए होंगे।

MISSING INFORMATION

Bharati Ray —26 YEARS OLD.

The above is a photograph of missing woman namely **Bharati Ray – 26** years old, complainant : Narayan Ch. Barman, S/O: Manglu Barman of village Pokalagi Pt. II, PS- Golakganj, Dist- Dhubri, Assam who has been missing from his house, as reported by the complainant at Chagolia OP.

On receipt of the information, a missing entry vides Chagolia OP GDE No. 430, dated: 26/ 12/ 2023 was made and investigated into for tracing out the missing woman.

The descriptive roll of the missing woman as follows :-

1.	Height	- 5 feet.
2.	Complexion	- swarthy.
3.	Age	- 26 years.
4.	Wearing	- Red colour saree.
5.	W/O	- Narayan Ch. Barman
6.	Religion	- Hinduism.

All effort may kindly be taken to trace out the above woman with intimation to the undersigned.

Superintendent of Police,
-- Janasanyog /D/15515/ 23 **Dhubri, Assam**

पृष्ठ एक का शेष

अल्फा और केंद्र के ...

मार्गदर्शन में असम की शांति प्रक्रिया निरंतर जारी है। तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और तीन समझौतों के साथ असम में आदिवासी उग्रवाद समाप्त हो गया है। हालांकि, परेश बरुआ की अध्यक्षता वाला अल्फा का कट्टरपंथी गुट इस समझौते का हिस्सा नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि बरुआ चीन-म्यांमार सीमा के पास रहता है। अल्फा का गठन 1979 में संप्रभु असम की मांग के साथ किया गया था। इसके बाद से यह कई विध्वंसक गतिविधियों में शामिल रहा है, जिसके कारण केंद्र सरकार ने 1990 में इसे प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया। राजखोवा गुट 3 सितंबर, 2011 को सरकार के साथ शांति वार्ता में शामिल हुआ, जब इसके और केंद्र और राज्य सरकार के बीच सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

राज्य के भविष्य ...

चुका है, जिसमें 7500 से अधिक सशस्त्र कैडर मुख्य धारा में लौट चुके हैं। गृह मंत्री शाह के अनुसार, अल्फा से शांति समझौते के बाद कुल 8200 सशस्त्र कैडर का हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौटना असम में शांति के लिए बड़ी बात है। शाह के अनुसार अकेले अल्फा के साथ संघर्ष में 10 हजार से अधिक लोगों की जान गई है, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान भी शामिल हैं। शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वोत्तर भारत और दिल्ली के बीच दूरी कम करने के प्रयासों ने पूरे क्षेत्र में शांति और विकास का नया मार्ग प्रशस्त किया है। अमित शाह ने अल्फा नेताओं को समझौतों की शर्तों को 100 फीसद लागू करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि पूरे समझौते को लागू किये जाने की केंद्रीय स्तर पर मानिटरिंग की जाएगी और इसके लिए विशेष कमेटी बनाई जाएगी। शाह ने कहा कि जल्द ही समझौते के अनुरूप असम के लिए बड़े आर्थिक पैकेज का एलान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अल्फा नेताओं की ओर से बिना मांगे ही केंद्र और असम सरकार सबकुछ देने के लिए तैयार है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान असम में आई शांति के कारण 85 फीसद इलाकों में आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल पावर एक्ट (अफस्पा) हटा लिया गया है और अल्फा के साथ समझौते के बाद जल्द असम पूरी तरह से अफस्पा से मुक्त हो जाएगा। अल्फा के राजखोवा गुट ने 2011 में ऑपरेशन निलंबित करने का केंद्र और असम सरकार के साथ समझौता किया था। 12 सालों की बातचीत के बाद अब शांति समझौते पर हस्ताक्षर हो पाया। अमित शाह ने बताया कि पिछले चार सालों में पूर्वोत्तर भारत में कुल नौ समझौते कर स्थायी शांति की राह प्रशस्त की गई है। इसमें ब्रू, बोड़ो, डिमासा, कार्बी, आदिवासी, त्रिपुरा के एनएलएफटी के साथ समझौते के साथ ही असम और अरुणाचल प्रदेश तथा असम और मेघालय के साथ हुए सीमा समझौता शामिल हैं। इन शांति समझौतों की वजह से पूर्वोत्तर भारत में हिंसक घटनाओं में 73 फीसद, सुरक्षा बलों के जवान की मौत में 71 फीसद और आम नागरिकों की मौत में 86 फीसद की कमी आई है।

शांति समझौते का ...

नेतृत्व में सरकार बनने के बाद जिस प्रकार से असम तथा पूरे पूर्वोत्तर के लिए एक के बाद एक योजनाएं शुरू हुईं, उससे राज्य में काफी हद तक शांति की स्थापना हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के असम के बोड़ो, कार्बी तथा आदिवासी उग्रवादी समूह के साथ शांति समझौता करने से लगभग नौ हजार के करीब सशस्त्र कैडर हथियार छोड़कर देश की मुख्य धारा में लौटे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन तीनों ही समझौते के प्रावधानों को लागू करने में केंद्रीय गृह मंत्रालय का सहयोग सराहनीय रहा है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि अल्फा समझौत के प्रावधानों को भी अक्षरश: लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार शाम को केंद्रीय गृह मंत्रालय, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में केंद्र सरकार, असम सरकार और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के प्रतिनिधियों के बीचएक शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते में अल्फा की बिना सब कुछ मांगे पूरा करने के लिए समयबद्ध तरीके से कार्यक्रम बनाने के लिए गृह मंत्रालय के तहत एक समिति बनाने का निर्णय लिया गया। यह समिति समझौते को पूरा कराने के लिए काम करेगी।

श्लोक पोस्ट पर...

माफी मांगता हूं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के नेतृत्व में सुधार आंदोलन के कारण असम एक जातिविहीन समाज की *सही तस्वीर* दर्शाता है। 26 दिसंबर को, शर्मा ने एक्स और फेसबुक जैसे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक ऑडियो-विजुअल पोस्ट अपलोड किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि यह गीता के 18वें अध्याय से संन्यास योग के श्लोक 44 से लिया गया है। एनिमेटेड वीडियो में कहा गया है कि खेती, गोपालन और वाणिज्य वैश्यों के अभ्यस्त और प्राकृतिक कर्तव्य हैं, जबकि तीन *वर्णों* - ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य - की सेवा करना शूद्रों का प्राकृतिक कर्तव्य है। इस वीडियो को शेयर करते हुए शर्मा ने यहां तक कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं वैश्य और शूद्रों के प्राकृतिक कर्तव्यों के प्रकारों का वर्णन किया गया है। इससे एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और विपक्षी नेताओं ने इसकी निंदा करते हुए इसे *भाजपा की मनुवादी और प्रतिगामी विचारधारा कहा।* आलोचनाओं का सामना करते हुए शर्मा ने बाद में अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से पोस्ट हटा दिया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शर्मा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह हर भारतीय नागरिक के साथ समान व्यवहार करने की अपनी शपथ पूरी नहीं कर रहे हैं। ओवैसी ने एक्स पर कहा कि हाल ही में हटाए गए एक पोस्ट में, असम के सीएम ने समाज के बारे में अपने दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से बताया। खेती, गोपालन और वाणिज्य वैश्यों के स्वाभाविक कर्तव्य हैं और ब्राह्मणों, क्षत्रियों और वैश्यों की सेवा करना शूद्रों का स्वाभाविक कर्तव्य है। संवैधानिक पद पर रहते हुए आपकी शपथ प्रत्येक नागरिक के साथ समान व्यवहार करने की है। यह उस दुर्भाग्यपूर्ण क्रूरता में परिलक्षित होता है जिसका असम के मुसलमानों ने पिछले कुछ वर्षों में सामना किया है। हिंदुत्व स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय का विरोधी है।

देशभक्ति और एकता ...

पहुंचने के लिए पर्याप्त समय मिला। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों पर आधारित कृषि विकास की कोई आवश्यकता नहीं थी, जिसका दुष्प्रभाव अंतत: लोगों पर पड़ता है। संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने महापुरुष शंकरदेव और लाचित बरफुकन आदि जैसे हमारे गौरवशाली प्रतीकों द्वारा दिखाए गए महान मार्ग का अनुसरण करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह सार्वभौमिक सत्य है कि नियमित अभ्यास के माध्यम से महान गुण आदत बन जाते हैं। संघ शाखाओं की यही पद्धत्ति है। वैश्विक कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध एक सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए इस व्यक्तिगत अच्छी आदत को संगठित प्रयास में बदलने की आवश्यकता है। यह संगठित प्रयास एक बड़े परिवार की भाईचारे की भावना से जुड़ा होना चाहिए। महान भारतीय मूल्य हमें दोनों हाथों से कमाना, लेकिन हजार हाथों से योगदान करना सिखाता है। डॉ. भागवत ने बताया कि पृथ्वी पर अन्य समाज धर्मनिरपेक्षता की बात तो जोर-शोर से करते हैं परंतु भारतवर्ष सदियों से इस पर अमल करता आ रहा है। संघ समाज में कोई अलग समूह बनाकर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्वार्थी वृत्तियों को छोड़कर सभी को एक साथ लाकर पूरे समाज को संगठित करके विश्व कल्याण का साधन मात्र बनना चाहता है। डॉ. भागवत अपनी पहली दो दिवसीय माजुली यात्रा पूर्ण कर डिब्रूगढ़ के लिए प्रस्थान कर गए।

एनएससीएन (के-वाईए) ने ...

कर रहे थे इस वजह से उनको मार दिया गया। बयान में कहा गया कि माटे अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में एनएससीएन विरोधी प्रचार की योजना बना रहे थे। उन्होंने एनएससीएन/जीपीआरएन के खिलाफ साजिश रची और खुद को विरोधियों का हथियार बनने दिया। पिछले कुछ सालों से संगठन ने नागा लोगों के हित को देखते हुए किसी भी बुरी स्थिति से बचने के लिए और उसके कुकर्मों को नजरअंदाज करके अधिकतम धैर्य दिखाया है। कई चेतावनियां देने के बावजूद युमसेन माटे ने हमारे खिलाफ गतिविधियों को जारी रखा और एनएससीएन को उकसाने और मजबूर करने के लिए हद पार कर दी। इसको देखते हुए हमें यह कदम उठाना पड़ा। हालांकि, संगठन ने आगे कहा कि जैसा कि कुछ लोगों को संदेह है, यह मामला किसी भी तरह से अरुणाचल प्रदेश के आगामी राज्य विधानसभा चुनाव से संबंधित नहीं है। एनएससीएन/जीपीआरएन राज्य की राजनीति में कभी हस्तक्षेप नहीं करेगा। बता दें कि पूर्व विधायक युमसेन माटे अपने तीन साथियों के साथ निजी काम से गांव गए थे। तभी किसी ने पूर्व विधायक को बहाने से जंगल की बुलाया और वहां गोली मार दी। गोली लगने से माटे की मौके पर ही मौत हो गई।

हाफिज सईद के प्रत्यर्पण ...

प्रतिबंधित आतंकवादी भी है। इस संबंध में, हमने प्रासंगिक सहायक दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान सरकार को एक विशेष मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया है। हम उन मामलों पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, जिन मामलों के लिए उसे वांटेड किया गया है। यह एक हालिया अनुरोध है। प्रवक्ता अरिंदम बागची ने हाफिज सईद के करीबियों के चुनाव लड़ने पर कहा कि हमने कुछ रिपोर्ट देखी है। हालांकि, हम किसी देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। इस तरह के संगठनों का राजनीति में आना नई बात नहीं है और ये उनकी राजनीति का हिस्सा बन चुका है। इस तरह के डेवलपमेंट से हमारी सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। हम इस तरह के डेवलपमेंट को मॉनिटर करना जारी रखेंगे, जिससे हमारी सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता हो।

मणिपुर में जेएन.1 ...

फिलहाल, इसके प्रसार को रोकने के लिए अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 692 नए मामले दर्ज किए गए है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में छह मौतें हुईं है, जिनमें दो महाराष्ट्र में और एक-एक दिल्ली, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल में हुए। जनवरी 2020 में कोरोना वायरस फैलने के बाद से कुल संख्या 4,50,10,944 तक पहुंच गई है। भारत में मरने वालों की कुल संख्या 5,33,946 हो गई है। विभिन्न राज्यों में जेएन.1 सब-वेरिएंट के कारण कोविड-19 मामलों में वृद्धि के बीच, एम्स के बाद, राष्ट्रीय राजधानी के सफदरजंग अस्पताल ने भी मरीजों के लिए बिस्तर आरक्षित करना शुरू कर दिया है और ऑक्सीजन और परीक्षण सहित अन्य व्यवस्था करने लगे हैं। अस्पताल प्रशासन ने आइसोलेशन के लिए 50 बेड और 9 आईसीयू बेड आरक्षित कर लिए हैं। इसके साथ ही, अस्पताल में ऑक्सीजन, पीपीई किट और कोविड टेस्टिंग को लेकर भी पूरी व्यवस्था कर ली गई है। वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट और सफदरजंग अस्पताल के पूर्व एचओडी, डॉ. नीरज गुप्ता ने कहा कि जेएन.1 ओमिक्रॉन का एक प्रकार है। किसी भी वायरल संक्रमण की तरह, यह भी हल्का है, यह बहुत गंभीर प्रकृति का नहीं है और हम किसी भी प्रवेश या उच्च प्रवेश दर की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आम तौर पर, किसी गंभीर स्थिति वाले रोगियों में इम्यून सिस्टम कम हो जाती है, उनमें रुग्णता अधिक होती है, जिससे मृत्यु हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल ही में जेएन.1 को वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में पेश किया है। हालांकि, वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने इस पर जोर दिया है कि वर्तमान मूल्यों के आधार पर जेएन.1 उत्पन्न समग्र जोखिम कम है।

पीओके में पाकिस्तानी...

मिलकर अपनी आवाज बुलंद की। रविंदर पंडिता ने मांग की कि श्रद्धालुओं के तीर्थयात्रा पर जाने के लिए शारदा पीठ को फिर से खोला जाए। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के अधिकारियों और उनकी सेना ने कॉफी होम को नहीं हटाया तो हम नियंत्रण रेखा (एलओसी) तक मार्च करने और उसे पार करने का आह्वान करेंगे। साथ ही उन्होंने सभी शारदा समर्थकों को इस मार्च के लिए तैयार रहने की हिदायत दी। वहीं, रविंदर पंडिता ने शारदा पीठ को यूनेस्को हेरिटेज साइट घोषित करने की मांग की।

अनुच्छेद 370 पर...

जारी करके विलय किया था। हालांकि, कुछ पहलू अभी भी बांकी हैं, जिसे सरकार ने खत्म करने का निर्णय लिया। जस्टिस कौल उन पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने 11 दिसंबर को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को सही ठहराया था। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से माना था कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था। बता दें कि जस्टिस कौल को 2017 में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया था। जस्टिस कौल उस पीठ का भी हिस्सा रह चुके हैं, जिसने (न्यायाधीशों के) बहुमत के आधार पर समान-लिंग विवाह को विशेष विवाह अधिनियम के हिस्से के रूप में पढ़ने की याचिकाकर्ताओं की याचिका को खारिज कर दिया।

तेजपुर विवि के ...

100 से अधिक शोधार्थियों को पीएचडी डिग्री के साथ-साथ दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा माध्यम के 23 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शंभूनाथ सिंह ने आगामी दीक्षांत समारोह को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह हमारे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है, क्योंकि यह समारोह हमारे विद्यार्थियों को एक शिक्षित और जिम्मेदार नागरिक में बदलते हुए पलों का गवाह बनेगा।

ग्रेनेड विस्फोटों में शामिल सभी अल्फा-स्वा कैडर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पिछले दिनों राज्य में हुई तीन ग्रेनेड विस्फोटो की घटना में शामिल 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। असम पुलिस ने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-स्वा) से जुड़े व्यक्तियों को इस सिलसिले में गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां 22 नवंबर, 9 दिसंबर और 13 दिसंबर को ऊपरी असम के तिनसुकिया, शिवसागर और जोरहाट जिलों में हुए तीन ग्रेनेड विस्फोटों के सिलसिले में की गई। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र उग्रवादी संगठन उल्फा-स्वा ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने इस अभियान की सराहना की है। कई हफ्तों तक चलाए गए इस अभियान के दौरान अपराधियों को पकड़ा गया और ग्रेनेड फेंकने की घटनाओं में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिलें

बरामद की गईं। पुलिस बल के मेहनती प्रयासों का परिणाम है कि शिवसागर जिले में आठ और तिनसुकिया और जोरहाट जिलों में दो-दो संदिग्ध लिंकमैन को पकड़ने में सफलता मिली। अपने एक्स हैंडल पर डीजीपी जीपी सिंह ने लिखा है कि हफ़्तों तक चले इस शानदार ऑपरेशन में, तिनसुकिया, शिवसागर और जोरहाट में एक प्रतिबंधित संगठन द्वारा ग्रेनेड फेंकने के तीन अपराधों का पर्दाफाश किया गया और अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इन अपराधियों को उकसाने वाले लोगों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की भी पहचान कर ली गई है। वे जिस भी कोने में हों, उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि सबूत उचित समय पर सक्षम अदालत में पेश किए जाएंगे। असम पुलिस राज्य के लोगों को सभी हिंसक अपराधों से बचाने के प्रति संकल्प पर दृढ़ है। ऑपरेशन से जुड़े प्रत्येक अधिकारी और कर्मियों को मेरी (डीजीपी) बधाई और आभार। उन्होंने कहा कि वे असम पुलिस के झंडे को ऊंचा रखने का संकल्प लेते हैं। उल्लेखनीय है कि तिनसुकिया में, पहला ग्रेनेड डिराक आर्मी कैंप के पास फेंका गया। इसके बाद शिवसागर और जोरहाट शहर के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंप के पास भी इसी तरह के विस्फोट हुए। पुलिस ने एक अन्य सुनियोजित हमले के लिए बनाया गया एक ग्रेनेड भी बरामद किया और गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के प्रतिबंधित समूहों से संबंध का संकेत देने वाले दस्तावेज़ भी जब्त किए। स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इन धमाकों की जांच शुरू कर दी है। डीजीपी ने राज्य के नागरिकों को हिंसक अपराधों से बचाने के लिए असम पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया और ऑपरेशन में शामिल अधिकारियों और सभी लोगों की सराहना की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से हिंसा भड़काने वालों की पहचान कर ली गई है और उन्हें कानूनी परिणाम भुगतने होंगे।

कामाख्या धाम में धार्मिक विधि विधान से कामाख्या-कामेश्वर विवाह संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। नीलाचल पहाड़ पर स्थित विश्व विख्यात शक्तिपीठ कामाख्या धाम में परंपरागत रीति रिवाज के साथ शुक्रवार को कामाख्या-कामेश्वरी का विवाह संपन्न हुआ। असमिया भाषा में इस विवाह को *पौहन विवाह* कहा जाता हैं। कामाख्या का विवाह उत्सव प्रत्येक वर्ष पौष महीने के द्वितीया/ तृतीया तिथि को मनाया जाता है। गुरुवार को विवाह के मौके पर शाम को अधिवास का आयोजन किया गया था। शुक्रवार को कामाख्या-कामेश्वर ने सात फेरे लिया। वहीं 30 दिसंबर यानी शनिवार को बसी विवाह संपन्न किया जाएगा। कामाख्या देवालय के दौले कवींद्र प्रसाद शर्मा ने बताया हैं कि बीते गुरुवार से तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम के साथ कामाख्या-कामेश्वर विवाह की प्रक्रिया शुरू हुई। कामाख्या धाम में *पौहन बिया* बहुत प्राचीन समय से होता चला आ रहा है। कामाख्या-कमारेश्वर का विवाह कामाख्या मंदिर प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। आज सुबह मंदिर प्रांगण से बारात निकलकर कामाख्या प्रांगण पहुंची। जहां रीति रिवाज के अनुसार कामाख्या-कामेश्वर ने साथ फेरे लिया, जिसके बाद विवाह संपन्न हुआ। इस विवाह को देखने के लिए कामाख्या धाम में आज हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी पड़ी। विवाह के अवसर पर कामाख्या धाम को सुंदर तरीके से सजाया गया था। उल्लेखनीय हैं की *पौहान विवाह* के दौरान पूरी तरह असमिया रीति रिवाज से शादी के सभी नियमों का पालन किया जाता है। जैसे अधिवास, शादी और बासी विवाह। देवी कामाख्या एवं कामेश्वर के विवाह की परंपरा बहुत पुरानी है। कामाख्या धाम अब ढोल, वाद्य से मुखरित हो उठा है। शनिवार वासी विवाह के बाद परंपरागत रूप से तीन दिवसीय पौहान विवाह संपन्न हो जाएगा।

भैरबी-साईरंग नई लाइन रेल परियोजना में 91 प्रतिशत प्रगति

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल विभिन्न नई रेल लाइन परियोजनाओं का निष्पादन कर पूर्वोत्तर राज्यों के कायाकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि राजधानी संपर्क परियोजनाओं के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के लिए नई रेल लाइनों का निर्माण कार्य चल रहा है। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम को देश के शेष हिस्से से जोड़ने के लिए भैरबी-साईरंग नई लाइन रेल परियोजना एक ऐसी परियोजना है, जो पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। एक बार यह परियोजना पूरी हो जाने के बाद देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र विशेष रूप से मिजोरम में संचार और वाणिज्य के मामले में एक नए युग की शुरुआत होगी। भैरबी-साईरंग परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के मिजोरम राज्य में अतिरिक्त 51.38 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाना है। परियोजना ने अब तक 91 फीसदी की प्रगति हासिल कर ली है। भैरबी-साईरंग रेलवे परियोजना में दुर्गम क्षेत्रों में कई सुरंगों और पुलों का निर्माण कार्य शामिल हैं। इस परियोजना में सुरंगों की कुल लंबाई 12853 मीटर है, जिसमें से 12710 मीटर सुरंग बनाने का काम पूरा हो चुका है। परियोजना में कुल 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल होंगे, जिनमें से 12 बड़े पुलों और 85 छोटे पुलों का निर्माण कार्य अब तक पूरा हो चुका है। साईरंग स्टेशन के पहुंच पर पुल संख्या 196 के स्तंभ पी - 4 के निर्माण का कार्य भी पूरा हो चुका है।

न्याय प्रणाली को जनमुखी बनाने को प्राथमिकता : रंजीत दास

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के कानून और न्याय मंत्री रंजीत कुमार दास ने आज आईआईटी गुवाहाटी में अखिल भारतीय वकील परिषद की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भाग लिया। उन्होंने *जन-केंद्रित न्याय वितरण प्रणाली* पर इस दौरान चर्चा की। बैठक में देश के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों ने भाग लिया। कानून और न्याय मंत्री दास ने राज्य में न्यायिक प्रणाली से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और न्यायिक प्रणाली में सुधार और इसे अधिक नागरिक-केंद्रित और जन-केंद्रित बनाने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि कानूनी व्यवस्था का अधिक नागरिक केंद्रित होना बहुत जरूरी है। नागरिकों की संपत्ति की रक्षा और

संरक्षण करने को राज्य की प्रमुख जिम्मेदारी बताते हुए, कानून मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार को लोगों को कानूनी रूप से तत्पर बनाना चाहिए। मंत्री ने बैठक में यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान राज्य सरकार ने कानूनी प्रणाली में सुधार के हिस्से के रूप में अब तक लगभग 192 पुराने कानूनों को निरस्त कर दिया है। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों के कारण राज्य में अपराधियों और दोषियों की संख्या में गिरावट का उल्लेख करते हुए, मंत्री दास ने कहा कि यह एनसीआरबी की रिपोर्ट में परिलक्षित होता है। मंत्री ने बैठक में बताया कि राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं कि दोषियों को दंडित किया जाए और आम जनता किसी भी कारण से न्याय से वंचित न रहे। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष निभास मूर्ति, राष्ट्रीय महासचिव डी भरत कुमार, आयोजन सचिव हरि बारिक और अन्य सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने आज के कार्यक्रम में भाग लिया।

जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस का छठा स्थापना समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। जेसीआई गुवाहाटी प्रिंस का छठवां स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आगामी सत्र 2024 के लिए मानवी अग्रवाल ने नव निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में शपथ ग्रहण की। इसके साथ ही नव निर्वाचित कार्यकारिणी पदाधिकारी ने भी अपने-अपने पद की शपथ ली। इससे पहले सत्र 2023 की अध्यक्ष, जेएफएम ऋचा चौधरी ने अपनी अध्यक्षीय रिपोर्ट पस्तुत की। जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान किए गए उनके सभी कार्यों और परियोजनाओं का उल्लेख किया गया। साथ ही वर्ष 2023 में इस शाखा के विकास में प्रत्येक सदस्य द्वारा किए गए योगदान को भी स्वीकार किया गया एवम पुरस्कार वितरण का आयोजन किया। उनकी टीम के सदस्यों को मेमोंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेसीआई क्षेत्रीय अध्यक्ष शुभम अग्रवाल, विशिष्ठ अतिथि निवर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष बिजय अग्रवाल और विशेष आमंत्रित जेसी

ईशा गंगवाल उपस्थित थे। जेसीआई सीनेटर मनीष खाटूवाला, पूर्व जोन अध्यक्ष, जेसी पीपीपी रश्मी खाटूवाला, जेसीआई सीनेटर राजेश गंगवाल, जेडवीपी 2023 जेसी ऋषभ जैन और सभी जेडडी, अन्य शाखाध्यक्षो ने कार्यक्रम मे उपस्थित होकर सहयोग दिया। इस आयोजन के लिए कार्यक्रम संयोजिका जेसी नेहा दीवान ने अन्य सदस्यों के साथ इस स्थापना समारोह को सफल बनाया।

कछार में हेरोइन के साथ चार ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में हेरोइन के साथ चार ड्रग्स तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि कछार के बरखला में चार ड्रग्स तस्करों मुन्ना खान, अजहर रहमान, असीबुर रहमान और विशाल बैद्य को एक गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मुन्ना खान के पास से एक प्रेस कार्ड जब्त किया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए सभी लोगों के पास से भारी मात्रा में हेरोइन और एक चार पहिया वाहन (एएस-06ई-7979) भी जब्त किया है।

असम वेद विद्यालय को भारतीय अटल सेना ने दिया सहयोग

गुवाहाटी (विभास)। भारत रत्न तथा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष में आयोजित अटल सेवा सप्ताह के तहत भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा असम की ओर से विभिन्न स्थानों पर सेवा कार्य जारी है। अटल सेवा सप्ताह के पांचवे दिन संस्था की ओर से रूप नगर स्थित असम वेद विद्यालय में सहयोग दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र के साथ हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा ने सभी अध्यापकों का सामान भगवा दुपटा से किया। इस दौरान वेद विद्यालय के बच्चों ने संस्कृत मंत्रों का उच्चारण कर संस्था की सदस्याओं को आशीर्वचन दिया। संस्था की और से सभी बच्चों को कंबल, पानी बोतल पठन-पाठन सहित जरूरत की वस्तुएं दी गई। इसके अलावा खाद्य वस्तुएं भी उपलब्ध कराई गई। संयोजिका सारिका अग्रवाल, शांति कुंडलिया, ममता शर्मा, मधु लूणीया, रेखा गोयल, सपना सराफ, संजू शर्मा, इंद्रा जिंदल, अनीता गुप्ता, संतोष धानुका, सरोज काकड़ा, बिना जैन, सरला बजाज, दीपिका अग्रवाल आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 में नगरबेड़ा के दो युवा को रजत पदक

नगरबेड़ा (विभास)। अखिल असम ताइक्वांडो संघ की पहल के तहत कल से गुवाहाटी के नेहरू स्टेडियम में तीन दिवसीय कार्यक्रम के साथ शुरू हुई। आयोजित 38वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप, 2023 में कामरूप जिला नगरबेड़ा के दो युवा लड़कियों ने रजत पदक जीते। जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नगरबेड़ा की जॉयस्मिता दास और नगरबेड़ा के जमलाई की एक युवा लड़का अब्दुल सलीफ ने 8 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। नगरबेड़ा के उत्पल कुमार दास की बेटी जॉयस्मिता दास और जमलाई गांव के अब्दुल रज्जाक और पंचायत अध्यक्ष रेजिया सुल्ताना के बेटे युवा अब्दुल सलीफ ने एक भीतरी गांव क्षेत्र से जाकर सुदुर गुवाहाटी में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया और पदक जीतने से अंचल के लोगों ने युवा लड़की जॉयस्मिता दास और अब्दुल सलीफ को बधाई दी।

कामरूप के सयानी बरदुआर में विकसित भारत की दो बैठकों में शामिल हुए मंत्री चंद्रमोहन पटवारी

रंगिया (विभास)। विकसित भारत संकल्प यात्रा में शुक्रवार को कामरूप जिले के सयानी बरदुआर विकास खंड के अंतर्गत मालियाता गांव और सरपुर ग्राम पंचायत में आयोजित दो बैठकों में जिले के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पहले मालियाता गांव पंचायत के अंतर्गत नतुन बतियापारा प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित एक खुली बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने गरीब लोगों के विकास के लिए असम और केंद्र सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया, उन्होंने कहा कि अब लोगों को किसी को भी विनती किए बिना प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत रहने के लिए पक्का मकान, खाने के लिए अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत मुफ्त चावल, खाना पकाने के लिए उज्ज्वला से रसोई गैस, बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में पूरी तरह से मुफ्त शिक्षा, आयुष्मान भारत योजना

के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज और अरुणोदय योजना के तहत महिलाओं को आवश्यक खर्चों के लिए नकद धनराशि मिली है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बदौलत संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अभी तक इन योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, अगर वे इसके लिए आवेदन करेंगे तो उन्हें अगले चरण में लाभ मिलेगा। बैठक में गुवाहाटी की लोकसभा सांसद क्वीन ओजा और पलाशबाड़ी के विधायक हेमांग ठाकुरिया ने भी शामिल होकर भाषण प्रदान किया। कार्यक्रम में सफल लाभार्थियों की ओर से कई महिलाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के संयोजन में स्वस्थ बच्चों, सफल किसानों आदि को सम्मानित किया गया। बैठक में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग कुमार काकोती, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा, पलाशबरी चक्र अधिकारी हिमाद्री बोरा, सयानी बरदुआर विकास क्षेत्र अधिकारी लीना हजारिका और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बतियापारा में बैठक के बाद वन मंत्री सरपारा गांव पंचायत के अंतर्गत हरि मंदिर परिसर में आयोजित दूसरी बैठक में भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मणिपुर में पुलिस ने हथियार और गोला बारूद बरामद किए

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आज दी गई औपचारिक सूचना के अनुसार सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, थौबल और चुराचांदपुर जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान इम्फाल पूर्व जिले के पुंगडोंगबाम-सेकटा-लोसांगखोंग तलहटी से एक एम16 राइफल, एक एम21 स्नाइपर राइफल, एक खाली मैगजीन के साथ एक एम21 स्नाइपर राइफल, बिना डेटोनेटर के तीन 36 एचई ग्रेनेड बरामद किए गए। दूसरी ओर, चुराचांदपुर जिले के एल कानन गांव से दो 9 एमएम पिस्तौल, दो 9 एमएम मैगजीन, 4 जिंदा राउंड और 2 जिंदा राउंड से भरी एक 9 एमएम पिस्तौल और खाली मैगजीन बरामद किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन, फकीराग्राम महिला शाखा का *वीर बाल दिवस* आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन, फकीराग्राम महिला शाखा ने फकीराग्राम शिव मंदिर प्रांगण में वीर बाल दिवस मनाया। मालूम हो कि सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के चार बेटों- अजीत सिंह, झुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की वीरता और बलिदान की याद में मनाया गया वीर बलिदान दिवस। इस मौके पर महिला शाखा की अध्यक्षा श्री मती सरिता शर्मा, उपाध्यक्ष सलोचना पोद्दार, सचिव शिल्पा अग्रवाल, उप सचिव पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता अग्रवाल तथा महिला सदस्या द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को खाता, कलम, पेंसिल, बिस्किट तथा चिप्स प्रदान किए गए। आयोजित कार्यक्रम में सम्मेलन की सदस्या उर्मिला अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, मंजु अग्रवाल, सरोज गर्ग उपस्थित थीं।

मणिपुर पुलिस ने 228 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता, विधायिकाधीन) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 228 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 280 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 249 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 142 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

बटद्रवा में लगी भीषण आग में भारी नुकसान

नगांव (हिंस)। जिले के बटद्रवा में लगी भीषण आग मे भारी नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार बीती रात बटद्रवा के शालगुरी सत्र में धनीराम कलिता के घर में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया और फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। उल्लेखनीय है कि बीते 24 घंटे में आग लगने की दो घटनाएं हुई हैं। बुधवार की रात बटाद्रवा थान में आकाशीगंगा किनारे स्थित 13 दुकानों के जलकर राख हो गई थी। इसके बाद क्षेत्र के लोग फिर से आग लगने की हुई घटना को लेकर चिंतित हैं।

वन बंधु परिषद, गुवाहाटी महिला समिति ने बच्चों संग मनाया *वीर बाल दिवस*

गुवाहाटी (विभास)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने 26 दिसंबर को *वीर बाल दिवस* घोषित किया है। इस दिन ही सिखों के दसवें गुरु गुरुगोविंद सिंह के दो साहिबजादे जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह को मात्र 9 एवं 6 वर्ष की उम्र में मुगलों ने मुस्लिम धर्म ना अपनाने के कारण दीवार में जिंदा चुनवा दिया था। उनके इस महान बलिदान को जन जन तक पहुंचाने के लिए वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा हुई। उन्हीं वीर बालोकों के बलिदान को सम्मानित करते हुए वन बंधु परिषद गुवाहाटी महिला समिति द्वारा नगांव अंचल के 3 एकल विद्यालय के 11 से 13 वर्ष आयु के बच्चों को बस आरक्षित कर गुवाहाटी आमंत्रित किया और श्रीमंत शंकर देव कला क्षेत्र भ्रमण करवाया

और फिर चिड़याघर भ्रमण करवाया। बच्चो के साथ ही संच प्रमुख, आचार्य एवं कुछ बच्चों के अभिभावक भी पधारे थे। बच्चों ने गायत्री मंत्र उच्चारण के साथ ही देशभक्ति गीत गाए और नृत्य किये। अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने बताया कि बच्चों को सुबह का नाश्ता कला क्षेत्र में करवाया गया और फिर दिन का भोजन करवाकर उन्हे विदा किया। बच्चो को उपहार दिए गए जिससे बच्चें बहुत ही खुश नजर आ रहे थे और हमसे वादा किया कि वे मन लगा कर पढ़ाई करने के साथ ही अपने माता पिता, समाज, गांव और राष्ट्र निर्माण के लिए अच्छा कार्य अवश्य करेंगे। अध्यक्ष वंदना बगड़िया ने बच्चों को वीर बाल दिवस की महत्ता बताई। कार्यक्रम को सफल बनाने में जोनल अध्यक्ष ललीता जैन, सुशीला गुप्ता, मीरा सराफ, मधु गोएंका, संगीता रासीवासिया, जयति जाना एवं किरण खेतान का सहयोग रहा।

संपादकीया

राम मंदिर सिर्फ सियासी नहीं

अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का एक उदाहरण है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। 1989 से 2019 तक के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्रों में भाजपा इसे शामिल करती रही है। एक राजनीतिक दल सांस्कृतिक विकास और बदलाव की बातें नहीं करता, क्योंकि वे चुनावी मुद्दे नहीं आंके जाते। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, इस एक मुद्दे ने भाजपा को 2 सांसदों से 303 सांसदों तक की अप्रत्याशित छलांग लगाने की ताकत दी है। अन्य मुद्दों की भी भूमिकाएं रही हैं, लेकिन राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और धुरवीकरण, भाजपा के पक्ष में, पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। आस्थाएं कई और मुद्दों के प्रति भी हो सकती हैं। आस्थाएं अयोध्या, काशी और मथुरा तक ही सीमित क्यों हैं? भाजपा और संघ परिवार के छाया-चेहरे ही अदालतों में इन मुद्दों की लड़ाइयां लड़ रहे हैं। भाजपा माने अथवा न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा साबित होगा, लेकिन फिर भी राम मंदिर समारोह को पूरी तरह सियासी करार नहीं दिया जा सकता। गांव-गांव, घर-घर जाना, प्रभु राम की तस्वीर के साथ प्रसाद बांटना और अयोध्या में दर्शन करने आने के आमंत्रण और इन गतिविधियों के लिए संघ परिवार के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाने के अभिप्राय क्या हैं? जाहिर है कि रामत्व के जरिए हिंदुत्व के प्रसार का भी राजनीतिक लक्ष्य है। यह भाजपा का प्रचार-तंत्र भी है। यदि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कहते हैं कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है, भगवान राम की बाल्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है, तो उन्होंने पूर्णतः गलत नहीं कहा है। शंकराचार्य को कांग्रेस और भाजपा में बांट कर नहीं देखा जा सकता। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। पार्टी ने इसे 'संविधान-विरोधी' करार दिया है, क्योंकि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष भारत' की बात कही गई है। हम इस दलील को नहीं मानते। वैसे भी वामपंथी दल वैचारिक और मानसिक स्तर पर चीन के ज्यादा करीब रहे हैं। उन्होंने भारत-चीन युद्ध के दौरान भी देश का साथ नहीं दिया था। बहरहाल लोकतंत्र में राजनीति को खारिज नहीं किया जा सकता। राजनीति से आम आदमी भी जुड़ा है। यदि भगवान राम के दर्शनार्थ अथवा नया, भव्य मंदिर देखने देश भर से भक्तगण उमड़ते हैं, अयोध्या में भक्ति और भजन की तरंगें प्रवाहित होती हैं, यदि विरोधी राजनीति के नेतागण भी अपने 'आराध्य' के लिए अयोध्या मंदिर में जुटते हैं, तो उसे महज 'राजनीति' भी न कहा जाए। भक्ति, अध्यात्म, दर्शन, आस्था और राजनीति की परिभाषाएं भिन्न हैं। बेशक राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा का राजनीतिक विस्तार हुआ है। अन्य धर्मावलंबी, संप्रदाय, मत के लोग और समाज भी समारोह मनाते हैं। प्रधानमंत्री अपने आवास पर ईसाइयों को आमंत्रित करते हैं, ताकि ईसा मसीह की जयंती का समारोह मनाया जा सके। प्रधानमंत्री 'सिख साहबजादों' के बलिदान पर 'वीर बाल दिवस' आयोजन में भी शिरकत करते हैं। प्रधानमंत्री को हमने मस्जिद में भी देखा है। प्रधानमंत्री एक भक्त, आराधक के तौर पर 'हिंदू' भी हैं, लिहाजा सिर्फ मोदी-विरोधी सियासत के कारण राम मंदिर पर सवाल उठाना अथवा उसे 'सांप्रदायिक' करार देना तार्किक नहीं है। जिस तरह 1990 के दशक में अयोध्या की आड़ में राजनीति की गई, इस बार उस राजनीति से बचना चाहिए।

> अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, इस एक मुद्दे ने भाजपा को 2 सांसदों से 303 सांसदों तक की अप्रत्याशित छलांग लगाने की ताकत दी है। अन्य मुद्दों की भी भूमिकाएं रही हैं, लेकिन राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और धुरवीकरण, भाजपा के पक्ष में, पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। आस्थाएं कई और मुद्दों के प्रति भी हो सकती हैं। आस्थाएं अयोध्या, काशी और मथुरा तक ही सीमित क्यों हैं? भाजपा और संघ परिवार के छाया-चेहरे ही अदालतों में इन मुद्दों की लड़ाइयां लड़ रहे हैं। भाजपा माने अथवा न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा साबित होगा, लेकिन फिर भी राम मंदिर समारोह को पूरी तरह सियासी करार नहीं दिया जा सकता। गांव-गांव, घर-घर जाना, प्रभु राम की तस्वीर के साथ प्रसाद बांटना और अयोध्या में दर्शन करने आने के आमंत्रण और इन गतिविधियों के लिए संघ परिवार के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाने के अभिप्राय क्या हैं? जाहिर है कि रामत्व के जरिए हिंदुत्व के प्रसार का भी राजनीतिक लक्ष्य है। यह भाजपा का प्रचार-तंत्र भी है। यदि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कहते हैं कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है, भगवान राम की बाल्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है, तो उन्होंने पूर्णतः गलत नहीं कहा है।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की लोकसभा की सीटों का आपस में बांट कर अपनी मंशा साफ कर दी

आपसी शह-मात के खेल में उलझा विपक्षी गठबंधन

विकास सक्सेना

> पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता वृंदा करात, केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव जिस तरह कांग्रेस की नीतियों और नेताओं पर निशाना साध रहे हैं, उससे राजनैतिक हलकों में इस बात की चर्चा होने लगी है कि विपक्षी गठबंधन के ये नेता भाजपा को हराने के लिए एकजुट हुए हैं या फिर उनका उद्देश्य कांग्रेस को खत्म करना है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरा कर मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने से रोकने के लिए बनाए गए विपक्षी गठबंधन के नेता फिलहाल एक-दूसरे के खिलाफ ही षड़यंत्र रचने में जुटे हैं। सामान्य तौर पर राजनीति में भितरघात कुशल रणनीति माना जाता है, लेकिन इंडी गठबंधन में शामिल दलों के नेता इस सामान्य परम्परा का भी पालन करने को तैयार नहीं हैं। वे खुले मंचों से एक- दूसरे के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों के निशाने पर सबसे ज्यादा कांग्रेस और उसके नेता हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता वृंदा करात, केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव जिस तरह कांग्रेस की नीतियों और नेताओं पर निशाना साध रहे हैं, उससे राजनैतिक हलकों में इस बात की चर्चा होने लगी है कि विपक्षी गठबंधन के ये नेता भाजपा को हराने के लिए एकजुट हुए हैं या फिर उनका उद्देश्य कांग्रेस को खत्म करना है। लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल और नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड को विपक्षी गठबंधन का सबसे मजबूत साथी माना जा रहा था क्योंकि ये पहले से यूपीए का हिस्सा थे लेकिन इंडी गठबंधन में चर्चा के बिना ही इन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बिहार की लोकसभा की सीटों का आपस में बांट कर अपनी मंशा साफ कर दी है। बिहार की लोकसभा की कुल 40 सीटों में से राजद और जदयू ने 17-17 सीटें आपस में बांट ली हैं। बाकी बची छह सीटें कांग्रेस और वामपंथी दलों के लिए छोड़ी गई हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में जदयू भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल थी और उसने अपने हिस्से की 17 सीटों पर प्रत्याशी उतार कर 16 पर जीत हासिल की थी। इसलिए जदयू 17 से कम सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं है। अब यह देखना काफी रोचक होगा कि क्या कांग्रेस और वामपंथी दल महज छह सीटें पाकर संतुष्ट रह पाएंगे। राजद और जदयू ने जिस तरह बिहार की लोकसभा सीटों को आपस में बांट लिया इसे कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल विपक्षी गठबंधन की बैठक में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का प्रस्ताव रख दिया। उनके प्रस्ताव का अरविन्द केजरीवाल ने समर्थन कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दलित समाज से आते हैं इसलिए कोई भी

नेता उनके इस प्रस्ताव का विरोध करने का साहस नहीं जुटा सका। लेकिन इस प्रस्ताव पर कोई सहमति भी नहीं बन सकी। फिर भी उनके इस दांव से गठबंधन के तमाम नेता चारों खाने चित हो गए। ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हुए देखने के सोनिया गांधी के सपने को ही नहीं तोड़ा बल्कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव को भी गहरी चोट दे दी। पटना में पहली बैठक करवा कर विपक्षी गठबंधन की आधारशिला रखने वाले नीतीश कुमार को उम्मीद थी कि उनको विपक्षी गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार या गठबंधन का संयोजक चुन लिया जाएगा, पटना के बाद कई बैठकें हो चुकी हैं लेकिन अभी तक गठबंधन का संयोजक चुनना तो दूर उनके नाम पर गंभीर चर्चा तक नहीं हुई है। लालू प्रसाद यादव को भी उम्मीद थी कि गठबंधन का नेता बन जाने के बाद नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे और बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी उनके पुत्र तेजस्वी यादव को स्वभाविक तौर पर मिल जाएगी। लेकिन ममता बनर्जी और अरविन्द केजरीवाल ने उनकी सारी योजना पर पानी फेर दिया। इसके अलावा ऐसा नहीं है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव के बीच रिश्ते बहुत अच्छे हैं। खबरें तो यहां तक आ रही हैं कि लालू प्रसाद यादव की तरफ से जदयू में सेंधमारी की कोशिशें की जा रही है। राजनैतिक और वैचारिक तौर पर भाजपा और संघ के धुर विरोधी वामपंथी दल भी अब इस विपक्षी गठबंधन में सहज महसूस नहीं कर रहे हैं। सबसे बड़े वामपंथी दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने तो सीधे तौर पर कांग्रेस पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। वामपंथी दलों का सबसे ज्यादा प्रभाव पश्चिम बंगाल और केरल में है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी भी कीमत पर माकपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है इसके वे कई बार साफ संकेत दे चुकी हैं इसलिए पश्चिम बंगाल में माकपा की गठबंधन में बने रहने की संभावना काफी कम हो गई है। इसके अलावा केरल में इस समय माकपा के नेतृत्व वाले वाममोर्चा की सरकार है। यहां के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और केरल माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविन्दन लगातार कांग्रेस पर हमलावर हैं। वे नहीं चाहते कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल के वायनाड से दोबारा लोकसभा का चुनाव लड़ें। उनका कहना है कि कांग्रेस को भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्रों में मजबूती से चुनाव लड़ना चाहिये, वायनाड के सांसद को राज्यों की प्रतिद्वंद्विता में नहीं पड़ना चाहिए। दरअसल लोकसभा चुनाव 2019 में राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़े थे। मुस्लिम लीग से उनका गठबंधन था। इसका नतीजा यह हुआ कि केरल की कुल 20 लोकसभा सीटों में से 19 पर कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन जीत गया था और वामदलों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। केरल की राजनीति में पकड़ मजबूत करने को कांग्रेस के नेता भी माकपा पर हमलावर हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केरल की पुलिस और माकपा कार्यकर्ताओं पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न करने और उनकी हत्या करने के आरोप लगाए हैं। इसके जवाब में माकपा की तेजतर्रार नेता वृंदा करात ने कांग्रेस पर भाजपा और संघ से मिलीभगत कर केरल षड्यंत्र रचने के गंभीर आरोप लगाए है। विपक्षी दलों के नेता एक-दूसरे के खिलाफ कोई गुपचुप पैंतरेबाजी नहीं कर रहे हैं बल्कि वे खुलेतौर पर एक-दूसरे के खिलाफ मीडिया में बयान दे रहे हैं। हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की उपेक्षा से आहत उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने तो अपनी चुनावी सभाओं में कांग्रेस को धोखेबाज पार्टी बताते हुए मतदाताओं से अपील की थी कि वे कांग्रेस को वोट न दें। दरअसल, कर्नाटक और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों और पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में मुस्लिम मतदाताओं ने जिस तरह जनता दल सेक्यूलर, बीआरएस और टीएमसी का साथ छोड़ कर कांग्रेस का दामन थामा है, उससे तमाम क्षेत्रीय दलों की नींद हराम हो गई है। वे भलीभांति जानते हैं कि अगर मुस्लिम मतदाता कांग्रेस के पाले में चले गए तो उनका राजनैतिक अस्तित्व खत्म हो जाएगा। इधर कांग्रेस के नेताओं को भी पता है कि अपनी राजनैतिक हैसियत दोबारा हासिल करने के लिए उन्हें मुस्लिम मतदाताओं को अपने खेमे में लाना ही होगा और इसके लिए वे पूरी शिद्दत से जुटे हुए भी हैं। इसीलिए इंडी गठबंधन के नेता भाजपा के खिलाफ रणनीति बनाने से ज्यादा एक दूसरे को शह-मात देने के खेल में उलझे हुए हैं।

दृष्टि कोण

यूपी कांग्रेस को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर हो रहे हैं सकारात्मक प्रयास

देश के सबसे बड़े राज्य में यूपी जोड़ो यात्रा को जो अपार जनसमर्थन मिल रहा है, उससे ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि यूपी में कांग्रेस पिछले 34 सालों से सत्ता से बाहर है। गठबंधन की राजनीति से उसकी कमर टूट चुकी है, जिसके चलते वह केंद्र में भी मजबूती से नहीं जम पा रही है। बदलते दौर में यूपी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। कहना न होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव की सूबाई गठबंधन नीति से यूपी समेत हिंदी पट्टी के जमे-जमाये नेताओं ने पार्टी के कार्यक्रमों से जो किनारा करना शुरू किया, उसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के दस वर्षीय कार्यकाल को यदि छोड़ दिया जाए तो पुराना सिलसिला अब जाकर थमने के आसार प्रबल हुए हैं। वहीं, यूपी में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को एड़ी-चोटी एक करनी होगी। वजह स्पष्ट है कि यदि कांग्रेस को प्रदेश में मजबूत बनाना है तो हमें राष्ट्रीय नीति के साथ-साथ क्षेत्रीय नीति और स्थानीय नेता विकसित करके उनमें तारतम्य

बिठाने की समुचित पहल करनी होगी। वहीं, विभिन्न कार्यक्रमों के सहारे लगातार उनकी मॉनिटरिंग भी करनी होगी। खास बात यह कि हमें राजनीतिक प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने में नए-पुराने के तफरके में संतुलन बिठाना होगा। साथ ही नेतृत्वगत अधिकारों का विकेंद्रीकरण करना होगा और चरणबद्ध रूप से जिम्मेदारी तय करनी होगी, ताकि पार्टी संगठन में जान फूंकी जा सके। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूं कि गत दिनों लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में हमारे नेता राहुल गांधी यूपी कांग्रेस के नेताओं से नाखुश दिखे। जैसी की मीडिया रिपोर्ट आई है। बताया गया है कि यूपी में पार्टी के अंदर उत्साहित नेताओं की कमी है। यूपी कांग्रेस के नेता केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना चाहते हैं, जिसकी वजह से ना तो वहां पार्टी खड़ी हो पा रही है और ना ही जीत मिल रही है, जबकि तेलंगाना के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सहयोग से पार्टी खड़ी कर ली और चुनाव भी जीत लिया। वहां चार नेता ऐसे थे जो सीएम बनना चाहते थे, इसलिए सबने मेहनत की और सबकी मेहनत से पार्टी जीती। वहीं, यूपी में ऐसे तीन नेता नहीं हैं जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हों और उसे पूरा करने के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखते हों। एक अन्य टिप्पणी पर गौर करें तो पता चला है कि पार्टी का हर सदस्य चाहता है कि गांधी परिवार के सदस्य यूपी में पार्टी के अभियान का नेतृत्व करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वे राज्य में कितने सक्रिय होंगे। यह ठीक है कि मुसलमान इस चुनाव में कांग्रेस की ओर देख रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना होगा और उन सीटों को अपने गठबंधन में सपा से लाना होगा। जबकि कुछ लोगों ने सोचा कि वे बसपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं, जबकि बसपा के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान कई अलग-अलग मुद्दे सामने आए, लेकिन सभी की राय थी कि पार्टी को कड़ी सौदेबाजी करनी चाहिए और न केवल सम्मानजनक हिस्सेदारी बल्कि मजबूत सीटें भी हासिल करनी चाहिए। ऐसे में सीधा सवाल है कि जब प्रदेश में पार्टी अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है और अपने नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक नई टीम बनाकर आगे बढ़ रही है। तो फिर हमें पिछले 34 साल की उपलब्धियों-अनुपलब्धियों पर भी एक सरसरी नजर डाल लेनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यूपी में अपने सबसे खराब दौर में भी पार्टी ने कई प्रयोग किए। अकेले चुनाव भी लड़ी और गठबंधन का साथ भी लिया। लेकिन कोई बड़ा कारनामा नहीं कर सकी, आखिर ऐसा क्यों? यह यक्ष प्रश्न है। बहरहाल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष अजय राय के हाथ में कमान सौंपने के बाद यूपी जोड़ो यात्रा का आगाज कर चुकी है।

कुछ अलग

तीस मार से पचास मार खां

वह उनके करीब कहीं नहीं रहे, लेकिन सदा सबको यही बताना उन्हें अच्छा लगता है कि वे उससे पूछ कर ही पानी पीते हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा कहने से उनके आसपास धमाके होने लगते हैं और रहगुजर बहुत श्रद्धा से उन्हें देख कर कहते हैं, 'देखिए यही वह सज्जन हैं जिनसे पूछ कर वे पानी पीते हैं।' अचानक कई दिनों से वह इस नगरी में चले आए थे। यह आरामपसंद लोगों की एक ऐसी नगरी थी, जहां कुछ तीसमार खां और बहुत से भुक्खड़ लोग रहते थे। बात भुक्खड़ों की पहले कर लो, क्योंकि पूरी उम्र हाडतोड़ मेहनत करने के बाद भी इनकी कोई पूछ-प्रतीत नहीं होती। दिन-रात खेतों में काम किया। महामारी को अपने बदन पर सहने की परवाह किए बगैर, बंजर धरती के छोटे-छोटे टुकड़ों को ऊसर बना दिया। लहलहाती फसलें खड़ी कर दीं। उनके ओसारों को इन फसलों से भर दिया। चश्माधारी विशेषज्ञों ने बताया कि अरे यही तो वे लोग हैं, जिनकी भरपूर मेहनत ने इस मारक रोग का एक कारण भुखमरी नहीं बनने दिया। रोग पीड़ितों को अकाल पीड़ित होने से बचाया। अब इन लोगों की क्या बात करें, साहिब? ये वही लोग हैं जो हमेशा बेहतर जिंदगी की कतार से टूट गए लगते हैं। आजकल आखिरी आदमी भी उन्हें कहना बंद कर दिया गया है। ऐसा होना ही था, क्योंकि जबसे ऐसे लोगों के कल्याण के लिए अन्त्योदय योजनाओं के बैनर सजने लगे, उसके अलम्बरदार अपनी-अपनी कतार के आखिरी आदमियों के झुण्ड को लेकर चले आए, कि जिनमें राहत अनुदान के पहले कौर से लेकर आखिरी कौर तक बंट गया, और दशकों से इन कतारों में खड़े आखिरी लोग, अब और जगह नहीं है, और नौकरी नहीं, और राशन नहीं है, की नियति झेलने लगे। इस नियति के बावजूद बहुत दूर-दूर तक फैले हुए हैं। कभी सुना था इस देश में, इस नगरी में कोई भी बिना काम नहीं रहने दिया जाएगा। कम से कम परिवार के एक सदस्य को वर्ष में सौ दिन काम अवश्य मिलेगा, जिससे लोगों को काम से कम अन्न के चन्द दाने अपने पेट में डालने में दिक्कत न हो। दुर्दिनों का प्रकोप बढ़ा तो यह संख्या डेढ़ सौ दिन कर दी गई। सुना है आजकल खजाने की भायं-भायं बढने के कारण यह फिर सौ दिन हो गई है। जो मनरेगा कार्ड कहलाते थे, वे कतार के किन आखिरी लोगों में बंट गए, कुछ खबर नहीं, क्योंकि इधर इस कतार से छिटक गए लोगों की कतार और भी लम्बी हो गई। और इस देश की बहुत सी नगरियों के अलम्बरदार इन योजनाओं की पूर्णतः और सफलता की घोषणाएं करते अब थकते नहीं। ऐसी राहत और अनुदान घोषणाओं के कितने कारनामे आपको और सुना दें? कारनामे सुनाने वाले इन कल्याणकारी मसीहाओं की कमी नहीं। चुनावों के करीब आने की जब आहट होने लगती है तो ऐसे ही अलम्बरदार आपके शहरों में प्रगट हो जाते हैं, जो अपने आपको शहर के तीसमार खां लोगों के अंतरंग चोबदार बताते हैं। समझा देते हैं कि वह तो पानी भी पूछ कर उनसे पीते हैं। इसलिए कभी भी आपको हथेली पर सरसों जमाने जैसा कोई कठिन काम करवाना हो, तो उन्हें अवश्य याद कर लें, पलक झपकते ही आपका काम हो जाएगा, और तीस मार खां का कुनबा बढ़ कर पचास सौ मार खां हो जाएगा। लेकिन कुछ बातें इन लम्बी कतारों से निकाल दिए गए लोगों को आज भी समझ नहीं आईं कि अगर तीस मार खां और उनके चोबदारों द्वारा घोषित स्वर्णयुग वास्तव में ही उनकी निर्वासित धरा पर आ गया है, तो दुनिया भर के भ्रष्टाचारी देशों के सूचकांकों में उनके देश के भ्रष्टाचारी होने का रुतबा और कैसे बढ़ गया? रिश्वतखोरों का यह देश तो शुरू से ही कहलाता था, अब यह रिश्वतखोरी जीने का एक ऐसा अनिवार्य ढंग कैसे बन गई।

देश दुनीया से

डाकिए का झोला भारी, झोली खाली

> भारत में किसी समय सरकारी क्षेत्र को बेहतरीन रोजगार प्रदाता सेवा क्षेत्र माना जाता था, लेकिन जैसे-जैसे केंद्र एवं राज्य सरकारों का बजट बढ़ रहा है और सरकारी सेवाओं में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सरकारें रोजगार के नाम पर कच्ची नौकरियां देकर औने-पौनी तनख्वाहों पर अपने कर्मचारियों के जायज हक न देकर उनका शोषण करती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि सेवा शर्तों में तमाम विसंगतियों और खामियों को लेकर भारत में इन दिनों जहां सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं तो कुछ-कुछ इन्हीं की तर्ज पर अपनी सेवा शर्तों में सुधार, पक्की नौकरी, वेतन बढ़ोतरी और पेंशन की गारंटी के लिए अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के बैनर तले ग्रामीण डाक सेवक संघर्षरत हैं।

डाक कर्मचारी जिस झोले में चिट्ठियां रखकर डाक बांटने जाते हैं, वह काफी भारी है, लेकिन उनकी झोली खाली है। झोला भारी होने से मतलब यह है कि उनके पास काम काफी ज्यादा है, लेकिन झोली खाली है क्योंकि वेतन कम मिलता है। कम से कम भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात डाक कर्मियों की यही हालत है। भारत में किसी समय सरकारी क्षेत्र को बेहतरीन रोजगार प्रदाता सेवा क्षेत्र माना जाता था, लेकिन जैसे-जैसे केंद्र एवं राज्य सरकारों का बजट बढ़ रहा है और सरकारी सेवाओं में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सरकारें रोजगार के नाम पर कच्ची नौकरियां देकर औने-पौनी तनख्वाहों पर अपने कर्मचारियों के जायज हक न देकर उनका शोषण करती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि सेवा शर्तों में तमाम विसंगतियों और खामियों को लेकर भारत में इन दिनों जहां सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं तो कुछ-कुछ इन्हीं की तर्ज पर अपनी सेवा शर्तों में सुधार, पक्की नौकरी, वेतन बढ़ोतरी और पेंशन की गारंटी के लिए अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के बैनर तले ग्रामीण डाक सेवक संघर्षरत हैं। पिछले दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में डाक कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण डाकघर की सेवाएं गड़बड़ा गई थीं। डाकघरों में बुढ़ापा, अपंगता पेंशन सहित कई कार्यों को निपटाने के लिए लोग पहुंचते हैं। कई लोगों के महत्वपूर्ण चिठी-पत्र और नौकरी, इंटरव्यू पत्रों सहित पार्सल भी डाक से आते हैं। जाहिर है कि डाक उपभोक्ताओं को असुविधा तो हुई ही होगी। लेकिन इसी विभाग में सेवारत डाक सेवकों की सेवा शर्तों और वेतन-भत्तों का यदि मानवीय दृष्टिकोण से जायजा लें तो लगता है कि केंद्र सरकार विगत कई दशकों से डाक सेवकों की सेवाओं का न केवल जमकर दुरुपयोग कर रही है, बल्कि शोषण करने के मामले में भी सबसे आगे है। आज महंगाई के जमाने में अच्छे वेतन की आस सभी को रहती है। डाक सेवकों में बारहवीं पास से लेकर स्नातकोतर उपाधि धारक युवा अपनी सेवाएं दे रहे हैं और निर्धारित 3 घंटों के बजाय 8-9 घंटों तक सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन बदले में जिंदा रहने के लिए उन्हें कच्ची नौकरी और मामूली वेतन मिल रहा है। चिठीयों से लेकर ई-पोस्ट तक के सफर को पूरा करते-करते लगभग 500 साल पुरानी भारतीय डाक प्रणाली आज दुनिया की सबसे विश्वसनीय और बेहतरीन डाक प्रणाली में अव्वल स्थान पर है। भारत में 155015 पोस्ट ऑफिस (डाकघर) हैं। कई उतार-चढ़ावों से गुजरते कई सौ साल पहले जब आजकल की तरह खत पहुंचाने के संसाधन और व्यवस्था नहीं थी, तब कबूतरों द्वारा खत एक से दूसरी जगह पहुंचाए जाते थे, अथवा घुड़सवारों के जरिए खत पहुंचाए जाते थे। भारत में डाक सेवा की व्यवस्था साल 1766 में स्थापित की गई और भारत में पहला डाकघर 1786 में मद्रास में स्थापित किया गया। 1877 में पार्सल सेवा, 1879 में पोस्ट कार्ड, 1880 में मनी आर्डर और 1911 में इलाहाबाद से पहली एयरमेल सेवा शुरू की गई। इसी तरह 1935 में पहला इंडियन पोस्टल आर्डर शुरू हुआ। 1972 में पिन कोड की शुरुआत, 1986 में स्पीडपोस्ट का शुभारंभ किया गया। वर्तमान में औसतन एक भारतीय पोस्ट ऑफिस सात हजार से ज्यादा लोगों को सेवाएं देता है। ग्रामीण अंचलों में ग्रामीण डाक सेवक ही डाक संकलन, दूरस्थ क्षेत्रों (बीट) में डाक वितरण सहित कार्यालय कार्य आरडी और एफडी सहित बैंकिंग से जुड़े लेन-देन के कार्यों को बखूबी संभाल रहे हैं, वो भी कच्ची नौकरी करते हुए। पिछले दिनों अखिल भारतीय गामीण डाक सेवक संघ ने सम्पूर्ण भारत में स्थायी नौकरी, पेंशन और वेतन-भत्तों में सुधार की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल की थी, लेकिन सामान्य नागरिकों को होने वाली असुविधा के दृष्टिगत अपनी हड़ताल वापस ले ली। अब यह केंद्र सरकार की जिम्मेवारी बनती है कि वह भी न्याय की मांग और ग्रामीण डाक सेवकों की जायज मांगों को शीघ्र पूरा करे, ताकि ये कर्मचारी भी सम्मानजक तरीके से अपने परिवारों की देखभाल कर सकें। ग्रामीण डाक सेवकों की प्रमुख मांगें हैं कि भारत सरकार उन्हें पक्की नौकरी, आठ घंटे काम, इसी के अनुसार वेतन और पेंशन सहित सभी लाभ प्रदान करे। नियमित कर्मचारियों के समान पहली जनवरी 2016 से समग्र संबंधित निरंतरता भत्ता मिले, 12, 24 और 36 वर्ष की सेवा पूरी करने पर तर्कसंगत निर्धारण, वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए वेटेज वृद्धि, समयबद्ध वित्तीय उन्नयन सहित कमलेश चंद्र समिति की सभी सकारात्मक सिफारिशों को लागू किया जाए। समूह बीमा कवरेज को पांच लाख तक बढ़ाया जाए।

आप का नजरीया

पुलिस की अपनी अदालत

अपनी तरह के मार्गदर्शक फैसले ने आपराधिक जांच के दायरे से हिमाचल के पुलिस मुखिया और कांगड़ा की एसपी से उनका वर्तमान किरदार छीन लिया। माननीय हाईकोर्ट ने पालमपुर के व्यापारी की अरदास को सुनते हुए राज्य सरकार को दिशा निर्देश दिए हैं कि जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता के लिए पुलिस महकमे के ओहदेदार परिदृश्य से हटाए जाएं। ऐसे कड़े निर्देश की वजह समझें तो यह कानून व्यवस्था के आलम में हिमाचल की शर्मिंदगी है। जिन परिस्थितियों में पालमपुर के व्यापारी को पुलिस से वास्ता पड़ा, उससे द्विपक्षीय मामले में सारी कानून व्यवस्था का तामझाम तार-तार हुआ है। कारोबारी निशांत के अपने निजी मसले, व्यापारिक क्लेश या कानूनी पेचीदगियां हो सकते हैं और उनके निपटारे के लिए अदालती प्रक्रिया और न्याय प्रणाली की अहम भूमिका सुनिश्चित है, लेकिन यहां यह व्यक्ति पुलिस प्रणाली के खौफ के सामने अपनी लाचारी-मजबूरी का जिक्र करता हुआ गुहार लगा रहा है कि उसे नाहक डराया-धमकाया जा रहा है। वह शिमला और कांगड़ा पुलिस के प्रमुखों से अपनी शिकायत दर्ज करवाता है। आश्चर्य यह कि एक ही राज्य में शिमला के एसपी और कांगड़ा की एसपी के बीच कानून की दृष्टि, एफ आई आर की कापी और संज्ञान बदल जाता है। आश्चर्य यह कि डीजीपी स्तर का टॉप ब्रास अधिकारी एक व्यवसायी को पंद्रह बार क्यों मिस्ड काल दे रहा है या उसके मातहत पालमपुर के अधिकारी क्यों निशांत पर दबाव डालकर संवाद करवाना चाहते हैं। क्या पुलिस की अदालतें अब राज्य की अपनी कानून व्यवस्था का दिशा परिवर्तन है। हम यह नहीं कहते कि निशांत का माजरा क्या है और इस मामले की परतें कितनी भोली, ईमानदार या वीभत्स हैं, फिर भी यह कतई नहीं मान सकते कि पुलिस महकमे का आला अधिकारी अपने प्रभाव को अदालत बनाकर, अदालत के बाहर खुद अदालत बन जाए। कांगड़ा पुलिस मुखिया के रूप में एसपी महोदया ने कानूनी प्रक्रिया के आधारभूत ज्ञान को क्यों गिरवी रखा और किसके इशारे पर अपनी भूमिका के उज्ज्वल पक्ष को गौण कर दिया, यह संशय पैदा करता है। जाहिर तौर पर हाईकोर्ट के सख्त निर्देश के बाद सरकार को सख्त होना पड़ेगा। यह एक मामला नहीं, बल्कि राज्य की पुलिस मशीनरी का हुलिया है और चारित्रिक गिरावट भी। यह सुशासन की लोकतांत्रिक आस्था के बिलकुल विपरीत राज्य का अंधा और बहरापन है। अगर सुक्खू सरकार व्यापारी की प्राथमिक शिकायत पर ही कार्रवाई करती तो अदालत के लिए संदेह प्रकट करने की जरूरत नहीं होती। यहां हम पुलिस महकमे से इतर भी व्यवस्था को नाको चने चबाने पर मजबूर करने वाले कई अन्य विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाना चाहेंगे। यह राज्य अब भोला नहीं, बल्कि ऐसी मिली भगत का पर्याय है जहां चंद नेता, अधिकारी, नौकरशाह, मीडिया के लोग, ठेकेदार व कर्मचारी संगठनों के ओहदेदार व्यवस्था को अपने स्वार्थी इरादों की वसीहत में बदल रहे हैं। हिमाचल में प्रशासनिक, राजनीतिक व सामाजिक भ्रष्टाचार से एक अजीब सा नाता विकसित हो रहा है, जो विकास की अग्रिम पंक्ति पर निजी तौर पर वांछित उपहार पा रहा है।

मोदी ने गरीबों को दिया ताकत, प्रशस्त हुआ देश के प्रगति का मार्ग : गिरिराज सिंह

बेगूसराय (हिंस)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि सुदूरवर्ती पंचायत के जन-जन तक केंद्रीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन केंद्र सरकार की स्पष्ट नीति और नियत का कमाल है। लाभार्थियों की बढ़ती संख्या देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी के गारंटी की गाड़ी है। मोदी की गारंटी है कि साढ़े 13 करोड़ गरीब को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। 2014 तक 29 साल में 3.25 करोड़ इंदिरा आवास मिला था। नरेंद्र मोदी ने नौ साल में चार करोड़ प्रधानमंत्री आवास दिया। इंदिरा आवास में 70 हजार रुपया मिलता था। प्रधानमंत्री आवास योजना में डेढ़ लाख दिया। घर ही नहीं दिया, शौचालय, नल का जल और गैस दिया। इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड दिया, पांच किलो अनाज भी फ्री में दे रहे हैं। कोरोना काल में पूरी दुनिया में भूख से करोड़ों लोग मरे। लेकिन भारत में मोदी जी ने गरीबों को ताकत दिया, भूख से कोई नहीं मरा। स्वयं सहायता समूह पूरे देश में दस करोड़ है, जबकि 2014 में आए थे तो मात्र 2.35 करोड़ था। बिहार में 2005 से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं, इसके बावजूद मात्र 17 लाख एसएचसी था, आज 1.25 करोड़ है। बैंक लिंकेज 114 करोड़ से बढ़कर 35 हजार करोड़ हो गया। बेगूसराय में 28 हजार जीविका दीदी थे, आज 3.33 लाख हैं। मोदी सरकार का संकल्प है कि ग्रामीण दीदियां बस कंज्यूमर नहीं, उत्पादक भी बनेंगी। नमक, तेल, कपड़ा, राशन सब कुछ गांव में बनेगा और गांव में इस्तेमाल होगा। हमारी रोजमर्रा की चीजें सस्ते दामों पर उपलब्ध करवाई जाएगी। इस तरह से लोग महज सस्ती चीजें ही नहीं पाएंगे, बल्कि शुद्धता के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह है वो भारत जिसे मोदी सरकार की गारंटी वाली योजनाएं बना रही हैं। जीविका दीदी हरित खाद के माध्यम से आज शुद्ध अनाज पैदा कर रही हैं और ज्यादा पैदावार भी ले रही हैं। रासायनिक खादों के नुकसान को हम सभी जानते हैं। लक्ष्य है रासायनिक खादों का इस्तेमाल जल्दी ही आधा हो जाएगा, उसके जगह हरित खाद इस्तेमाल होगी। गरीब की कोई जाति नहीं होती है, गरीब गरीब होता है। किसी भी दीदी को आजीविका मिशन से जुड़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी। मोदी सरकार के गारंटी योजना को हर घर तक पहुंचाना है। मोदी जी ने कहा था कि हर एक दीदी लखपति बननी चाहिए। इतने बड़े विजन को संकल्पित होकर केवल मोदी सरकार ही पूरा कर सकती है। बेगूसराय का एनपीए एक प्रतिशत से भी कम है। यहां दीदियां लोन ले रही हैं, लखपति बन रही हैं और बैंक को पैसा भी लौटा रही हैं। आज करोड़ों दीदियां लाखों कमा रही हैं, देश में इन दीदियों ने एक नयी उम्मीद दी है कि हर ग्रामीण दीदी अपना व्यवसाय शुरू करके घर बैठे अपने परिवार का ख्याल रखते हुए आत्मनिर्भर बन सकती हैं। मोदी सरकार लोन से ट्रेनिंग तक मदद कर रही है। गिरिराज सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों को सम्मान दिया, सभी को जन-धन दिया। प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा और सोशल सिक्योरिटी से हर किसी को जोड़ा है। आने वाले दिन में मोदी की गारंटी है कि कोई घर के बगैर नहीं होगा। स्वास्थ्य सुरक्षा कवच के रूप में आयुष्मान भारत कार्ड सभी लोगों के पास रहेगा। गरीबों किसानों को ताकत मिलेगा। मोदी जी ने कहा है कि देश में चार ही वर्ग है गरीब, किसान, महिला और युवा। इन चारों को ताकत मिलने से समाज और देश सबल हो जाएगा। प्रधानमंत्री के कार्यकाल का दस वर्ष पूरा हो रहा है तो इसका जागरण है गरीब, मजदूर, किसान और नौजवानों को ताकत। इसके लिए ही विकसित भारत की संकल्प यात्रा गांव-गांव पहुंच रही है। आज कुछ लोग रोजगार की बात करते हैं, मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तो दस करोड़ ईपीएफओ था, आज 28 करोड़ ईपीएफओ है। मोदी की गारंटी है कि सभी प्रकार से आम जनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। शांति, प्रकृति प्रेम, समरसता का शिक्षा देते हुए हम लोग मोदी सरकार के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचा रहे हैं।

ललन सिंह के इस्तीफे पर सम्राट चौधरी ने कहा, जदयू में सिर्फ एक ही नेता है

पटना (हिंस)। ललन सिंह के जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष से पद से इस्तीफा देने के बाद बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को यहां कहा कि जदयू में सिर्फ एक ही नेता है नीतीश कुमार और दूसरा कोई नहीं है। नीतीश कुमार ने कभी आरसीपी सिंह को अध्यक्ष बना दिया तो कभी ललन सिंह को बना दिया, ये उनका दायित्व है। ललन सिंह के इस्तीफे को उन्होंने जदयू का अंदरूनी मामला बताया। उन्होंने कहा कि ये जदयू की लड़ाई है। भाजपा को इससे कोई लेना-देना नहीं है लेकिन हम आज भी तैयार हैं और चाहते हैं कि जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल मिलकर चुनाव लड़ें। दोनों को हम लोग हराने का काम करेंगे। भाजपा आईएनडीआईए गठबंधन के लोगों को हराने के लिए तैयार है। ललन सिंह के इस्तीफे पर जदयू को आड़े हाथों लेते हुए नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि ललन सिंह इससे पहले जदयू से अलग होकर कांग्रेस में रहते हुए भी पेट का दांत गिन चुके हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य के विरुद्ध राष्ट्र भक्त संगठन ने थाने में प्रदर्शन किया

झांसी (हिंस)। हिंदू धर्म को धोखा धंधा बताने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। सपा नेता पर एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर शुक्रवार को राष्ट्रभक्त संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अड़जरिया के नेतृत्व में थाना नवाबाद में प्रदर्शन किया। कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र दिया। इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणियां कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह स्वयं हिंदू नहीं है और अगर इन्हें हिंदू होने में इतना ही दर्द है तो जाकर के मुस्लिम बन जाएं। झांसी पुलिस इन पर मुकदमा कायम करके इनको पकड़कर झांसी लेकर आये। स्वामी प्रसाद मौर्य मानसिक रूप से विक्षिप्त भरी बातें करते हुए कभी रामचरितमानस की चौपाइयों को गलत बताते हैं। कभी साधु संतों को भगवा आतंकवादी कहते हैं। स्वामी प्रसाद 70 साल की उम्र होने के कारण मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से अपील की है कि स्वामी प्रसाद मौर्य को तुरंत बर्खास्त करें।

लोस चुनाव में आजमगढ़ से ऐतिहासिक चुनाव परिणाम आएगा : अखिलेश

आजमगढ़ (हिंस)। समाजवादी पार्टी(सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को आजमगढ़ पहुंचे। उन्होंने केंद्र और यूपी की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अस्सी लोकसभा हराइए और भाजपा को हटाइए। इस नारे पर सपा के लोग काम कर रहे हैं। वह सरायमीर थाना क्षेत्र के ग्राम निजामुद्दीनपुर पट्टी में मोहम्मद आमिर के छोटे भाई के विवाह के अवसर पर वर-वधू को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी लगातार कार्यक्रम कर रही है। आने वाले लोकसभा चुनाव में आजमगढ़ से ऐतिहासिक परिणाम आएगा। आने वाले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। इस चुनाव में भाजपा का पूरे उत्तर प्रदेश से सफाया होगा। अखिलेश यादव ने साफ तौर पर कहा कि पीडीए ही एनडीए का मुकाबला करेगा। आज बाजार में पहले से ज्यादा नकदी मौजूद है। झारखंड में जो रुपया पकड़ा गया वह किसका फेलोवर है। तीन सौ करोड़ से ज्यादा रुपए मिले। इसी तरह से यूपी में इत्र व्यापारी के यहां पैसा निकला था तो सरकार ने आरोप लगाया था कि यह पैसा समाजवादियों का है। चुनाव आने वाला है। ऐसे में इत्र व्यापारियों से समाजवादियों की मदद तो कराओ। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में अपराध की घटनाएं हो रही है। एनसीआरबी के डाटा में यूपी में महिलाओं और बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है। जब से भाजपा की सरकार आई है कितने लोगों की जान गई। कितने लोग शहीद हुए। इन सवालों को लेकर सपा जनता के बीच जाएगी और आने वाली चुनौतियों को बताएगी। उन्होंने कहाकि अब भाजपा आएगी तो वोट डालने का अधिकार छीन लिया जाएगा। सपा का मानना है बीजेपी हटाओ, लोकतंत्र बचाओ। ईवीएम अपने आप हट जाएगी। सपा जनता के मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है और गठबंधन भाजपा को हराने जा रहा है।

राज्य सरकार जनता के दर्द से दूर, सत्ता के नशे में चूर : सुदेश महतो

हेमंत सरकार की नाकामियों को गिनाते हुए चार साल में राज्य के हालात को सामने रखा

रांची (हिंस)। आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जनता के सवाल और दुख-दर्द से दूर रहकर सत्ता के नशे में चूर है। चार साल में झारखंड का इस कदर अहित किया है, जिसे जनता कभी माफ नहीं करने वाली। युवा झारखंड को सरकार ने भटकने पर छोड़ दिया है। सुदेश कुमार महतो ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में चार साल में सरकार की विफलता पर सिलसिले वार राज्य के हालात को सामने रखा। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित से जुड़े मुद्दों से भटकाने के लिए षड्यंत्र कर रही है। चार साल पहले भी पारा शिक्षक सड़क पर थे, आज भी सड़क पर हैं। चार साल पहले भी 1932 का खातियान राज्य में लागू नहीं था, आज भी लागू नहीं है। चार साल पहले भी पिछड़े वर्गों को सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत का आरक्षण नहीं था, आज भी नहीं है। चार साल पहले भी राज्य के युवा रोजगार के लिए सड़कों पर थे, आज भी हैं। यह हालात साफ बताते हैं कि हेमंत सरकार जनता के साथ षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने हेमंत सरकार की नाकामियों को गिनाते हुए कहा कि यह

सरकार नीति, नियत और नियोजन तीनों ही विषय पर विफल रही है। नियोजन नीति, उद्योग नीति, स्थानीयता और पर्यटन नीति का वादा कर सत्ता में आई यह सरकार एक भी नीति नहीं बना पाई। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव इन अवसरों का लाभ लेने वाले युवाओं और छात्रों के ऊपर पड़ा है। युवा झारखंड के बढ़ते नहीं युवा झारखंड के भटकते कदम की स्थिति में इस राज्य के युवाओं को सरकार ने ला खड़ा कर दिया है। इन नीतियों के न होने से इस झारखंड में भटकाव आया है। आज राज्य में 7 लाख रजिस्टर्ड बेरोजगार हैं और नौकरी न मिलने के चलते 8 लाख युवा राज्य से बाहर पलायन कर गए हैं। 1932 की दुहाई देने वाली सरकार नियमावली तक नहीं बना पाई। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन चार सालों में *ये फॉर पोस्ट* की अवधारणा के साथ काम किया है। इन्होंने इसके लिए पे फॉर पोस्ट काउंटर्स खोल रखे हैं। आज राज्य में अधिकारियों का चयन उनकी कार्य कुशलता के आधार पर नहीं पे फॉर पोस्ट के आधार पर हो रहा है। जिसकी वजह से आज शासन का तंत्र पूरी तरह से कमजोर और असंवेदनशील बना दिया है। सुदेश महतो ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य विकास के दो मूल मानक हैं। यह सरकार विकास के सभी मनकों पर पूर्णत: विफल है। राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स का हाल बेहाल है। इलाज तो दूर वहां कॉरिडोर में खड़ा होना मुश्किल है। वहां बिना पैरवी के इलाज नहीं हो पा रहा है। अनुमंडल और जिला अस्पताल की बात ही छोड़ दीजिए। सरकारी स्कूल को इन्होंने खिचड़ी स्कूल बना दिया है। पढ़ाई का स्तर शिक्षक न होने की वजह से गिरा है, जिसका असर वर्तमान और आने वाली पीढ़ी पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के चलते गरीब परिवार अपने हक के राशन से भी वंचित रह जा रहा है। तीन तीन महीने तक इनको राशन नहीं मिलता है। आज कार्ड में एक भी नया नाम नहीं जोड़ा जा रहा है। जल जंगल जमीन की बात करने वाली यह सरकार वन पट्टा देने का वादा किया था लेकिन सरकार एक भी वन पट्टा बांट नहीं पाई। राज्य के आंदोलन करने वाले लोग सड़क पर आंदोलन करने को मजबूर है। जिन्हें प्रदेश के अंदर सम्मान मिलना चाहिए आज वो सड़क पर है। सरकार द्वारा जनता से किए चुनावी वादे कितने पूरे नहीं हुए इस पर एक वीडियो जारी किया गया। इस वीडियो में सरकार ने जनता को दिग्भ्रमित करने के लिए जो वादे किए गए थे उनकी जमीनी स्तर पर असलियत को दिखाया गया है।

बैलेट पेपर से चुनाव हुआ तो लोकसभा में भाजपा की हार तय : नरेश टिकैत

बागपत (हिंस)। किसानों की आवाज का दम भरने वाले नरेश टिकैत ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव अगर बैलेट पेपर से कराया जाए तो भाजपा की हार तय है। ईवीएम में तो गड़बड़ी होती है। भाजपा से नाराजगी के सवाल पर उनका कहना था कि हमने 2014 के चुनाव में हिस्सा लिया था। भाजपा के साथ रहे लेकिन इसमें कोई फायदा नहीं है। किसान टूट सा गया है। किसान हताश है। 2023 में भी इनकी सरकार है और 2024 में भी इनकी सरकार बन जायेगी। किसान मुद्धों को लेकर हम भाजपा का विरोध करेंगे। सभी सरकार में हमने किसान मुद्दों को लेकर विरोध किया है। सरकार की गलत नीतियों का हमने विरोध किया है। राम मंदिर जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम तो रघुकुल से ही हैं। हम रधुवंशी हैं। हमारा गोत्र रधुवंशी है। हमारा कुल वहीं से जुड़ा है। हमारे पूर्वजों का मंदिर बन रहा है। यह खुशी की बात है।

राजस्थान / पंजाब / हरियाणा / जम्मू

मुख्यमंत्री ने घोषणा पर अमल न करने पर एक्सईएन के खिलाफ दिए कार्रवाई के आदेश

गुरुग्राम में बन रहे स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का नाम पूर्व सीएम राव बीरेंद्र सिंह के नाम होगा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद में पांच साल पहले की घोषणा पर अभी तक कोई कार्रवाई न होने पर संबंधित अधिशाषी अभियंता (एक्सईएन) के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया। चंडीगढ़ में शुक्रवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में की गई घोषणाओं की स्टेट्स रिपोर्ट को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक के दौरान वर्ष 2018 में पर्वतिया कॉलोनी, फरीदाबाद के जलघर में पार्क बनाने की अपनी घोषणा के अमल को लेकर हुई देरी और संबंधित एक्सईएन ने तीन से अधिक बार निविदा प्रक्रिया का हवाला देकर काम में लापरवाही बरतने के आरोप में मुख्यमंत्री ने संबंधित एक्सीएन पर कार्रवाई करने के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सचिवों को निर्देश देते हुए कहा कि वर्ष 2020 तक की लंबित घोषणाओं को इस वर्ष में ही पूरा करने का काम करें, ताकि आम जनता को इन परियोजनाओं का लाभ तुरंत मिल सके। इसके अलावा, वर्ष 2021, 2022 की परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परियोजनाओं का आवश्यक अध्ययन करने के बाद ऐसी परियोजनाओं की एक अलग सूची तैयार की जाए, जो अभी संभव नहीं हैं, ताकि लंबित घोषणाओं की वास्तविक संख्या का पता लग सके। विकास एवं पंचायत विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरपंचों से बातचीत कर उनके करवाए जाने वाले विकास कार्यों की सूची मांगी जाए, ताकि जल्द से जल्द कार्यों को पूरा किया जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक मुख्यमंत्री ने कुल लगभग 10 हजार से अधिक मुख्यमंत्री घोषणाएं की गई हैं, जिनमें से 7 हजार से अधिक घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं। लगभग 1500 पर काम चल रहा है, जोकि जल्द ही पूरी हो जाएंगी। इसके अलावा, लगभग 1200 घोषणाएं लंबित हैं, जो प्रशासनिक मंजूरी, तकनीक स्वीकृति इत्यादि विभिन्न स्तर पर हैं। आज की बैठक में इनमें से 864 घोषणाओं की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिला गुरुग्राम के वजीराबाद में लगभग 10 एकड़ में बनाये जाने वाले स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के लिए निविदाएं आमंत्रित कर ली गई हैं। जल्द ही सभी प्रक्रियाएं पूरी करके कार्य का आवंटन कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का नाम पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह के नाम पर रखने का आदेश दिया। राव बीरेंद्र सिंह केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत के पिता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंजीनियरिंग वर्क्स में नए ठेकेदार तैयार करने के लिए भी कोर्स डिजाइन किए जाए। हरियाणा कौशल विकास मिशन या विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के तहत इन कोर्सों का परीक्षण दिया जाए, ताकि युवा उद्यमी बन सके। इस संबंध में राज्य स्तर पर भी रूपरेखा तैयार की जाए।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पुलिस पर हमले करने का फरार आरोपी गिरफ्तार

अलवर (हिंस)। शहर में एक साल पहले भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बीकानेर से ड्यूटी पर अलवर आए पुलिस कर्मियों पर हमला करने के मामले में पुलिस ने एक साल से फरार आरोपी इकबाल खान को गिरफ्तार किया। वही मामले में पुलिस घटना के मुख्य आरोपी सरपंच पति एवं हिस्ट्रीशीटर मूवीन खान सहित कई अन्य आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। गौरतलब है की इस संबंध में पूर्व एनईबी थाना प्रभारी राजेश कुमार वर्मा को पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली की बीकानेर से 65 से अधिक पुलिसकर्मी अंबेडकर नगर सामुदायिक भवन में ठहरे हुए थे। रिक्शे के विवाद को लेकर यह झगड़ा हुआ था। जिसमें सरपंच पति मुबीन खान सहित सैकड़ों लोगों ने अंबेडकरनगर के सामुदायिक भवन पर हमला कर तोड़फोड़ और पुलिस कर्मियो के साथ मारपीट कर दी थी।

श्रीकरनपुर विधानसभा : उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का पदमपुर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो

श्रीगंगानगर(हिंस)। वंदे मातरम जय श्री राम, हर हर महादेव, भारत माता की जय, वंदे मातरम, दीया कुमारी जिंदाबाद नरेंद्र मोदी जिंदाबाद और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों से शुक्रवार को पदमपुर शहर गूंज उठा। मौका था, श्रीकरनपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र पाल सिंह टीटी के समर्थन में राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के रोड़ शो का। पदमपुर में आयोजित रोड शो में आज भाजपा कार्यकर्ताओं और आम जनता का हुजूम उमड़ पड़ा। ढोल, डीजे और गाजे - बाजे के साथ रोड़ शो आगाज हुआ। रोड़ शो के दौरान पदमपुर की सड़कें गलियां और शहर भगवा रंग में रंगा नजर आया। लोगों ने दिल खोलकर पुष्प वर्षा से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया। रोड़ शो के दौरान महिलाएं जहां रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आई वहीं पुरुषों के हाथों में भाजपा के झंडे लहरा रहे थे। जैसे ही दिया कुमारी का काफिला पदमपुर की गिल कॉलोनी में पहुंचा। सड़क किनारे खड़े भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा से उनका स्वागत किया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्रीचंद चौधरी ने बताया की रोड शो में भाजपा राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व बीकानेर संभाग प्रभारी सीआर चौधरी, संभाग सह प्रभारी जोगेंद्र सिंह राजपुरोहित, सांसद निहालचंद, विस्तारक प्रमोद डेलू, एडवोकेट प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनियां,

जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह, महेंद्र सिंह सोढ़ी, सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़, श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, खाजूवाला विधायक विश्वनाथ मेघवाल, अनुसुचित जाती मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष शिव भगवान जोगपाल, पदमपुर मंडल अध्यक्ष गोकर्ण गर्ग, हेमंत शर्मा, बलजिंदर मान, राजेंद्र खोथ, चिमन धूड़िया, प्रेम झटवाल, रविन्द्र कुमार, दीनानाथ बलाना, मलकीत सोनी, बहादरचंद नारंग, राजकुमार मिगलानी, योगेंद्र हांडा, राजकुमार खरोड़, अमृतपाल सिंह लाली, जसप्रीत सिंह, निर्मल मांगट, कश्मीर सिंह, राजकी बाई, गीता देवी, सोहन छिनवाल, जिला महामंत्री अविनाश डाबी मोची, नरेंद्र सहू व प्रदीप धेरड़ सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता व आमजन सम्मिलित रहे।

हरियाणा पुलिस का दावा

महिला उत्पीड़न की घटनाओं में आई कमी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हरियाणा में आपराधिक गतिविधियों में इस वर्ष कमी दर्ज की गई है। पुलिस महानिदेशक शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस साल की आपराधिक घटनाओं का लेखा-जोखा पेश किया। कपूर ने कहा कि प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में डकैती में 28.9 प्रतिशत, लूटमार के अभियोग में 18.1 प्रतिशत, छीनाझपटी के अभियोगों में 3.9 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार महिला विरुद्ध अपराधों जैसे महिला अपहरण के अभियोग में 7.2, बलात्कार के अभियोगों में 6.9, महिलाओं से छेड़छाड़ में 7.9, दहेज हत्या में 9.5 तथा दहेज प्रताडना में 8.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। कपूर ने बताया कि हरियाणा पुलिस ने प्रदेश में शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि को लेकर फीडबैक सेल बनाया गया है। प्रदेश में संतुष्टि दर का आंकड़ा बढ़कर 71 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि पुलिस विभाग की ऑनलाइन सेवाओं से 99 प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपना फीडबैक देते हुए संतुष्टि दर्ज करवाई है। कपूर ने कहा कि महिला सुरक्षा के मद्देनजर सभी ऑटो तथा कैब का डेटाबेस तैयार करते हुए 71 प्रतिशत वाहनों पर यूनिक नंबर चस्पा किए जा चुके हैं। प्रदेश के आठ जिलों में ये यूनिक नंबर चस्पा किए जाने का शत प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। साइबर अपराध के बारे में जानकारी देते हुए डीजीपी ने बताया कि नवंबर 2023 में साइबर फ्रॉड की गई राशि को होल्ड करने का प्रतिशत अब बढ़कर 29 तक पहुंच गया है, जो जनवरी में मात्र

डाक्टर हड़ताल पर रहे, सीएमओ व्यवस्थाएं संभालने में जुटे रहे

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन (एचसीएमएस) के आह्वान पर शुक्रवार को जिला के सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर्स ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा। हालांकि सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने दावा किया कि गुरुग्राम में 183 में से 100 डॉक्टर हड़ताल पर रहे। बाकी के डॉक्टर्स व अन्य स्टाफ के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखा गया। उन्होंने हड़ताली डॉक्टर्स को अपनी हठधर्मिता छोड़कर काम पर लौटने की भी अपील की। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन की ओर से अपनी चार मांगों को लेकर सरकार से बार-बार गुहार लगाई जा रही है। गुरुग्राम के सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सक एवं एसोसिएशन के सीनियर स्टेट वाइस प्रेजीडेंट डॉ. केशव शर्मा ने कहा कि उनकी मांग है कि स्पेशलिस्ट का केडर बनाया जाए। एसएमओ की सीधी भर्ती पर रोक लगाई जाए। सर्विस रूल में संशोधन किया जाए। केंद्र, दिल्ली और बिहार के समान चार वर्ष, नौ वर्ष, 13 वर्ष व 20 वर्ष की सेवा वाले डॉक्टर पर एसीपी लागू किया जाए। डॉक्टर्स की पर्सनल फाइल को तुरंत फाइनल किया जाए। इन मांगों को लेकर प्रदेश के सरकारी डॉक्टर्स काफी समय से सरकार से गुहार लगा रहे हैं। सरकार की

ओर से आश्वासन के अलावा अब तक कुछ नहीं दिया गया है। इसलिए 29 दिसम्बर से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती, हड़ताल जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार से भी बातचीत चल रही है। डॉक्टर्स की हड़ताल के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने हर विभाग में जाकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि हड़ताल से एक दिन पहले ही उन्होंने अस्पताल में वैकल्पिक व्यवस्था कर ली थी। सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि 183 डॉक्टर ऑन रोल हैं। इसमें से 100 के करीब हड़ताल कर रहे हैं। बाकी के काम पर हैं। एनएसएम व कांट्रैक्ट के स्टाफ से काम चलाया जा रहा है।

रैना पहुंचे बफलियाज, पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, दिया न्याय का आश्वासन

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना ने बफलियाज के टोपी पीर इलाके का दौरा किया और वहां पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश रैना, डीडीसी सुरनकोट एडवोकेट सोहेल मलिक, डीडीसी थानामंडी कयूम मीर, भाजपा नेता अजहर मन्हास, महताब बुखारी भी रैना के साथ थे। बाद में रविंद्र रैना ने भाजपा नेताओं के साथ सुरनकोट अस्पताल और आर्मी अस्पताल पोथा का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की। रैना ने वरिष्ठ सेना कमांडर से भी मुलाकात की, सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की और पीड़ित परिवारों के लिए पर्याप्त मुआवजे का अनुरोध किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जो क्षति हुई है उसकी भरपाई किसी भी कीमत पर नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पूरा प्रकरण दिल दहला देने वाला है और हम पूरी तरह से लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश टोपी पीर के निवासियों के समर्थन में है और केंद्रीय रक्षा मंत्री ने स्वयं इस क्षेत्र का दौरा किया है और बताया है कि गलत काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें देश के कानून पर पूरा भरोसा है और कहा कि कोई भी निकाय सबसे ऊपर नहीं है। रैना ने कहा कि कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। मानवता की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा उसे अदालत से बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लोगों के लिए कठिन समय है और हम न्याय मिलने तक लोगों के साथ खड़े हैं।

सिंधिया बोले-अयोध्या में हवाई अड्डे के उद्घाटन का दिन ऐतिहासिक

नई दिल्ली ।

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन देश के लिए ऐतिहासिक दिन होगा और दूसरे चरण में इसके समग्र क्षेत्र बढ़ाकर और रनवे की लंबाई बढ़ाकर इसका बड़े पैमाने पर विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे, जो 6,500 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बना है। सिंधिया ने दिए साक्षात्कार में कहा कि अयोध्या हवाई अड्डे से संपर्क आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। उन्होंने कहा, देश भर में नागरिक उड्डयन क्षमता के विकास की जबरदस्त क्षमता है और विशेष रूप से अयोध्या के लिए यह काफी अहम है क्यों यह धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से हमारे दिलों में जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, हवाई अड्डा परियोजना का दूसरा चरण 6,500 वर्ग मीटर की सुविधा से 50,000 वर्ग मीटर तक विकास करने से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हम रनवे का विस्तार 3,750 मीटर तक कर रहे हैं जो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पर्याप्त है। अयोध्या हवाई अड्डे का पहला चरण 1,450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल 6,500 वर्ग मीटर है और यह सालाना लगभग 10 लाख यात्रियों की सेवा कर सकता है। उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री की ओर से अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन किया जाएगा न केवल नागरिक उड्डयन के लिए, न केवल अयोध्या शहर के लिए, न केवल उत्तर प्रदेश के लिए, न केवल भारत के लिए, बल्कि उन सभी के लिए एक ऐतिहासिक दिन होने जा रहा है जो हिंदू धर्म के प्रति हमारी आत्माओं की जीवंतता और प्रतिबद्धता में विश्वास करते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि अयोध्या हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम रखा जाएगा और इस संबंध में एक अधिसूचना जल्द ही जारी होने की संभावना है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि हवाई अड्डे से क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे पर्यटन, व्यावसायिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि विमानन नियामक डीजीसीए से 14 दिसंबर को एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त करने वाले हवाई अड्डे का रनवे 2,200 मीटर लंबा है और यह दिन और रात के संचालन के साथ-साथ 550 मीटर से अधिक की कम दृश्यता की स्थिति के लिए भी उपयुक्त है। टर्मिनल भवन का अगला हिस्सा श्री राम मंदिर की वास्तुकला को दर्शाता है। टर्मिनल भवन के अंदरूनी हिस्सों को भगवान श्री राम के जीवन को दर्शाने वाली स्थानीय कला, चित्रों और भित्ति चित्रों से सजाया गया है। अयोध्या हवाई अड्डे का टर्मिनल भवन इंसुलेटेड रूफिंग सिस्टम, एलईडी लाइटिंग, वर्षा जल संचयन, फव्वारे के साथ भूनिर्माण, जल उपचार संयंत्र, सीवेज उपचार संयंत्र, सौर ऊर्जा संयंत्र जैसी विभिन्न स्थिरता सुविधाओं से लैस है।

न्यूज ब्रीफ

उदय-कोटक ने 30 ट्रिलियन डॉलर का जीडीपी प्लान शेयर किया: वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- धन्यवाद, कोटक बोले- भारत के बचतकर्ता अब इन्वेस्टर्स में बदले

नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक ने साल 2047 तक भारत की जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपने विचार शेयर किए हैं। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उदय कोटक ने कहा- भारत के ड्रीम के लिए एक फाइनेंशियल सेक्टर मॉडल: 9 प्रतिशत एनुअल ग्रोथ, 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी भारत बचतकर्ताओं से निवेशकों के देश में बदल रहा है। 80 के दशक की शुरुआत में, भारतीय बचतकर्ताओं को सोने और जमीन की तुलना में फाइनेंशियल एसेट पर कम भरोसा था। धीरे-धीरे बचतकर्ता ने कुछ हिस्सा बैंक डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड और एलआईसी में मूव कर दिया। 90 के दशक में, इक्विटी निवेश को सट्टा माना जाता था। इसलिए पूंजी की तलाश में कंपनियां विदेशी संस्थागत निवेशक के पास गईं। संभावनाएं देखीं और कंपनियों में खरीदारी की, जबकि भारतीय बचतकर्ता दूर रहे। कंपनियों ने कम पॉपुलर लक्जमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से पूंजी जुटाई। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में चीजें बदलनी शुरू हुईं। ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस के बाद बाजारों में भारतीय बचतकर्ताओं की रुचि में सुधार हुआ। वह बचतकर्ता अब निवेश का आनंद ले रहा है। म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म, कैश इक्विटी और डेरिवेटिव मार्केट, इंश्योरेंस फंड, भारत में ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी, जैसे अन्य प्लेटफॉर्म, इक्विटी के लिए लोअर टैक्स रिजीम, सभी ने एक बचतकर्ता को एक निवेशक में बदल दिया है। 1.कोविड के बाद कई निवेशक जुड़े। उन्होंने मुख्य रूप से अपसाइड देखा है। हालांकि वर्तमान में स्थिति तुलनीय नहीं है, हमें 80 के दशक के जापान को अपने दिमाग में रखना होगा। इसका निक्केई इंडेक्स पीक 1989 में था। 34 साल बाद लगभग शून्य ब्याज दरों के साथ, निक्केई अभी भी 1989 के अपने शिखर से नीचे है। हमें पॉलिसी, रेगुलेशन और एजुकेशन से बुलबुले से बचना चाहिए। कंपनियों को प्रोडक्टिव यूज के लिए कैपिटल की लोअर कॉस्ट पर इक्विटी जुटानी चाहिए। हमें डेट में टैक्स आर्बिट्राज से बचना चाहिए, जब तक डेट मार्केट नहीं बढ़ता यह एक पैर वाली दौड़ होगी। डेट और इक्विटी के बीच हाइएस्ट मार्जिनल टैक्स रेट पर 39 प्रतिशत और 10 प्रतिशत का मौजूदा अंतर शायद बहुत बड़ा है। डिविडेंड्स पर डबल टैक्सेशन पर पुनर्विचार की जरूरत है। एक शेयरहोल्डर एक पार्टनर की तरह होता है। जब पार्टनरशिप से पार्टनर के कैपिटल अकाउंट में पैसा मूव किया जाता है तो कोई एडिशनल टैक्स नहीं लगता है। यही प्रिंसिपल शेयरहोल्डर्स पर भी लागू होता है। डेरिवेटिव्स के माध्यम से लो कॉस्ट लेवरेज फाइनेंशियल मार्केट्स को डिस्टॉर्ट कर सकता है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। जैसे-जैसे बचतकर्ता निवेशक बनते हैं, बैंकिंग क्षेत्र को अपनी जमा राशि और फंड की कॉस्ट पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बड़े कॉर्पोरेट सेक्टर को सार्थक रूप से पूंजी बाजार (डेट और इक्विटी) की ओर जाना होगा और बैंकों से दूर जाना होगा। बैंक स्टोरेज हाउसेज के बजाय कॉर्पोरेट डेट के डिस्ट्रीब्यूटर्स बन जाएंगे।

एफआइयू ने नौ विदेशी क्रिप्टो प्लेटफार्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया, यूआरएल को भी ब्लाक करने की सिफारिश

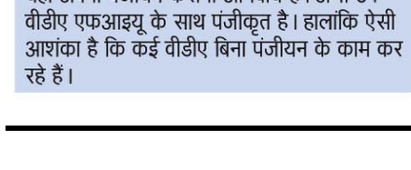

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के अधीन काम करने वाली फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआइयू) ने मनी लांड्रिंग कानून का उल्लंघन करने के आरोप में नौ विदेशी क्रिप्टोकरेंसी और वर्चुअल डिजिटल एसेट (वीडीए) प्लेटफार्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय से इनके यूआरएल को ब्लाक करने की सिफारिश की है। एफआइयू ने इस संबंध में मंत्रालय को पत्र भी लिखा है। इन वीडीए पर मनी लांड्रिंग के साथ आतंकवाद के लिए फंडिंग का आरोप है। एफआइयू के मुताबिक जिन वीडीए को ब्लाक करने की सिफारिश की गई है उनमें स्विट्जरलैंड की बिनानसे, सिंगापुर की कुकायन व मिक्स ग्लोबल, हांगकांग की हुओबी, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड की क्रकेन व बिटफिनेक्स, केमैन आइलैंड की गेटडाटआईओ, अमेरिका की बिट्रेक्स, लक्जमबर्ग की बिट्सटैंप शामिल हैं। एफआइयू के निदेशक ने इलेक्ट्रानिक्स मंत्रालय के सचिव को लिखे अपने पत्र में कहा है कि ये वीडीए अवैध तरीके से मनी लांड्रिंग कानून का उल्लंघन करते हुए काम कर रहे हैं। घरेलू और विदेशी वीडीए मुख्य रूप से वर्चुअल डिजिटल एसेट के लेन-देन का काम करते है और इस प्रकार का काम करने के लिए इन्हें भारत के एफआइयू के यहां अपना पंजीयन कराना अनिवार्य है। अभी 31 वीडीए एफआइयू के साथ पंजीकृत है। हालांकि ऐसी आशंका है कि कई वीडीए बिना पंजीयन के काम कर रहे हैं।

नए साल में 20,000 रुपए में करें विदेश यात्रा : 4 देशों ने वीजा फ्री एंट्री शुरू की

नई दिल्ली ।

थाईलैंड, मलेशिया, ईरान और श्रीलंका ने हाल ही में इंडियन ट्रैवलर्स के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया है। इससे इन देशों की यात्रा करना आसान हो गया है। ईरान को छोड़कर अन्य तीन देशों की ट्रिप 20-22 हजार रुपए के बजट में की जा सकती है। यदि आप टोटल ट्रैवल कॉस्ट देखें, तो एक्सपेंसेस के मुख्य रूप से तीन एलिमेंट्स हैं:

- ट्रांसपोर्टेशन
- अकॉमोडेशन
- फूड एंड बेवरेज

यदि आप इन खर्चों को कम कर दें, तो ट्रैवल करना सस्ता हो जाएगा। इसलिए, अगर आप कोई इंटरनेशनल ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो यहां हम आपको सस्ते फ्लाइट टिकट से लेकर होटल बुक करने के तरीके और करेंसी एक्सचेंज करने जैसी जरूरी चीजों के बारे में बता रहे हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी ट्रिप को खुद प्लान कर सकते हैं।

सस्ती फ्लाइट टिकट बुकिंग के तरीके:

जितनी जल्दी हो सके फ्लाइट बुक करें - ट्रैवल व्लॉगर वरुण वागिश के अनुसार आपको अपनी प्लान्ड ट्रैवल डेट के 2-3 महीने पहले से टिकटों की मॉनिटरिंग शुरू कर देना चाहिए। जैसे ही आपको सस्ती फ्लाइट मिलें, टिकट बुक कर लें। बजट फ्लाइट पाने में यह तरीका काफी कारगर है।

उड़ान भरने के लिए सबसे सस्ती जगह खोजें - यदि आप फ्लाइट के लिए खुद को किसी खास डेस्टिनेशन तक सीमित नहीं रखते हैं तो सस्ती फ्लाइट मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए, आप भोपाल में रहते हैं और मलेशिया के शहर कुआलालंपुर की यात्रा करना चाहते हैं। अगर आप भोपाल से कुआलालंपुर की टिकट बुक कराएंगे तो राउंड ट्रिप यानी, आने-जाने का खर्च करीब 28,000 हजार रुपए आएगा। वहीं अगर आप भोपाल की जगह विशाखापट्टनम जैसे शहर से टिकट बुक कराते हैं तो ये आपको करीब 12,000 रुपए में मिल जाएगी। भोपाल-विशाखापट्टनम की राउंड ट्रिप ट्रेन से कर सकते हैं। स्लीपर क्लास में इसके लिए 1200-1500 रुपए खर्च होंगे। यानी, कुल करीब 13,500 रुपए लगेंगे। इससे 15,000 रुपए की बचत होगी। यह तरीका आराम

की गारंटी तो नहीं देता, लेकिन बजट यात्रा जरूर कर सकेंगे। इसी तरह अगर आप फ्लाइट से मलेशिया के शहर लंकावी की यात्रा करना चाहते हैं तो, भोपाल से लंकावी की राउंड ट्रिप का खर्च करीब 40,000 हजार रुपए आएगा। वहीं अगर आप विशाखापट्टनम जैसे शहर के जरिए कुआलालंपुर पहुंचते हैं और वहां से ट्रेन, बस और शिप या डोमेस्टिक फ्लाइट की मदद से लंकावी पहुंचते हैं तो राउंड ट्रिप का खर्च करीब 17,000 रुपए आएगा। यानी, करीब-करीब 23 हजार रुपए की बचत हो जाएगी।

स्काईस्कैनर जैसी वेबसाइट का इस्तेमाल करें - स्काईस्कैनर जैसी वेबसाइट आपको सस्ती टिकट खोजने में मदद करती है। मान लीजिए, आपको भोपाल से कुआलालंपुर जाना है। ऐसे में वेबसाइट पर आप भोपाल से कुआलालंपुर की टिकट सर्च करने के बजाय भारत से मलेशिया डालें और ट्रैवल डेट के बजाय ट्रैवल मंथ चुनें। ये वेबसाइट आपको भारत के जिस भी शहर से मलेशिया के जिस भी शहर तक सबसे सस्ती फ्लाइट होगी वो बता देगी। इसके अलावा कौन सी ट्रैवल वेबसाइट पर सबसे कम किराया है वो भी आपको इसी वेबसाइट पर पता चल जाएगा। चीपेस्ट शहर और मंथ का पता चलने के बाद आप चाहें तो एयरलाइन की वेबसाइट पर जाकर भी इस ड्यूरेशन का टिकट बुक करा सकते हैं।

ब्राउजर में प्राइवेट मोड का इस्तेमाल करें - फ्लाइट टिकट बुक करते समय हमेशा प्राइवेट मोड का इस्तेमाल करें। उदाहरण के लिए, गूगल क्रोम में इनकॉग्निटो मोड का इस्तेमाल कर सकते हैं। फ्लाइट बुकिंग वेबसाइट कुकीज का इस्तेमाल करती हैं और ब्राउजर पर की गई सर्च के हिसाब से किराया बढ़ा देती हैं। बढ़ती कीमतें दिखाकर वे आपको मनोवैज्ञानिक रूप से महंगे टिकट बुक करने के लिए मजबूर करते हैं। इसीलिए एक्सपर्ट प्राइवेट मोड के इस्तेमाल की सलाह देते हैं।

वीकडेज पर टिकट बुक करें - यह कोई थंब रूल नहीं है, लेकिन आम तौर पर वीकेंड पर किराया महंगा होता है। इसलिए अपनी फ्लाइट टिकट हमेशा वीकडेज में बुक करें। ऐसे में इन बैंकों के क्रेडिट कार्ड्स से टिकट बुक कराने पर आपको एक्स्ट्रा डिस्काउंट मिल सकता है।

लोकल ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें - किसी दूसरे देश में पहुंचने के बाद अगर आप प्राइवेट टैक्सी से ट्रैवल करते हैं तो ये थोड़ा महंगा पड़ सकता है। इसलिए, वहां के लोकल ट्रांसपोर्ट जैसे बस, डोमेस्टिक फ्लाइट, ट्रेन का इस्तेमाल करना सस्ता पड़ेगा। आप अपने प्लान के अनुसार दूसरे देश पहुंचने से पहले से ही वहां के एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए डोमेस्टिक फ्लाइट का टिकट बुक कर सकते हैं।

रहने के लिए सस्ती जगह कैसे बुक करवाएं - रहने के लिए मुख्य तौर पर तीन ऑप्शन उपलब्ध हैं। होस्टल, होटल और लोकल लोगों के साथ स्टे। जहां आप लोकल्स के साथ फ्री में रुक सकते हैं, तो वहीं होस्टल में रहना भी होटल की तुलना में काफी सस्ता पड़ता है। इसकी बुकिंग आप बिना पैसे दिए पहले से ही करवा सकते हैं। सस्ता होस्टल बुक करने के लिए आप बुकिंग डॉट कॉम जैसी वेबसाइट की मदद ले सकते हैं। यहां आप रेटिंग और रेट के हिसाब से होस्टल चुन सकते हैं। कुआलालंपुर जैसे शहरों में 500-800 रुपए पर नाइट के हिसाब से आपको होस्टल मिल सकता है। अगर आप होस्टल में नहीं रहना चाहते हैं तो रेटिंग और रेट के हिसाब से होटल की भी बुकिंग करा सकते हैं। लोकल लोगों के साथ फ्री में रहने के लिए आप काउचसर्फिंग जैसी वेबसाइट की मदद ले सकते हैं। काउचसर्फिंग पर आपको अपना अकाउंट क्रिएट करना होगा। इस वेबसाइट पर कई सारे होस्ट होते हैं जो ट्रैवलर्स को होस्ट करते हैं। लोकल के साथ रुकने का एक फायदा यह भी है कि वो आपको बेहतर तरीके से शहर घुमा सकते हैं। उनके साथ लोकल फूड भी ट्राय कर सकते हैं।

पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर को बिना कुछ किए माइक्रोसॉफ्ट से मिलेंगे 1 बिलियन डॉलर

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर की इनकम आश्चर्यजनक है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी इनकम 1 अरब डॉलर है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर माइक्रोसॉफ्ट द्वारा इतनी ज्यादा इनकम क्यों दी जाती है। आज हम आपको इस लेख द्वारा बताएंगे कि आखिर स्टीव के पास इतनी इनकम कैसे आती है।

स्टीव माइक्रोसॉफ्ट के निवेशक हैं

स्टीव बाल्मर माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य निवेशक में से एक है। उनके पास कंपनी के 333.2 स्टॉक है यानी वह कंपनी के 4 फीसदी के मालिक हैं। कंपनी में 4 फीसदी की हिस्सेदारी की वजह से उन्हें एक निश्चित राशि लाभांश के तौर पर मिलती है। वर्ष 2023 में माइक्रोसॉफ्ट ने लाभांश देने की घोषणा की है। इस लाभांश के जरिये स्टीव की इनकम लगभग 1 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

एक रिपोर्ट एक अनुसार कंपनी द्वारा दी जानी वाली लाभांश की राशि कम लगती है पर 2003 से कंपनी द्वारा लाभांश दिया जा रहा है। इस लाभांश द्वारा की जाने वाली कमाई पर उनको टैक्स का भुगतान करना होता है। वह लाभांश होने वाली कमाई पर वह 200 मिलियन डॉलर तक का टैक्स चुकाना पड़ सकता है। 500,000 या उससे ज्यादा की कमाई पर 20 फीसदी तक का टैक्स लगता है।

स्टीव बॉल्मर के बारे में

स्टीव बाल्मर एक अमेरिकी व्यवसाय कार्यकारी है। वह वर्ष 2000 से वर्ष 2014 तक माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर काम कर रहे थे। उन्होंने गणित और इकॉनोमिक में ग्रेज्युशन किया है। उन्होंने 1980 में पढ़ाई छोड़ कर माइक्रोसॉफ्ट ज्वाइन किया था। वह वर्ष 2000 में माइक्रोसॉफ्ट के सीइओ बने थे। उन्होंने अपना कार्यकाल में विंडोज एक्सपी, एक्सबॉक्स और ज्यून जैसे कई प्रोडक्ट को लॉन्च किया है। उन्होंने 2014 में सीईओ के पद से इस्तीफा दिया था। माइक्रोसॉफ्ट से निकलने के बाद उन्होंने निवेश करना शुरू किया था। वह बाल्मर ग्रुप के सह-संस्थापक थे।

एसबीआई समेत तीन बैंकों में पैसा सबसे सुरक्षित आरबीआई ने वित्तीय प्रणाली के लिहाज से बताया अहम

मुंबई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)समेत देश में तीन ऐसे बैंक हैं, जिनमें आपका पैसे सबसे सुरक्षित है। ये तीनों ऐसे बैंक हैं, जो डूब नहीं सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का कहना है कि एसबीआई के अलावा एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक घरेलू वित्तीय प्रणाली के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंक बने हुए हैं। देश में वित्तीय प्रणाली के स्तर पर ये इतने बड़े बैंक हैं कि डूब नहीं सकते।

आरबीआई को अगस्त, 2015 से हर साल इसी महीने में वित्तीय प्रणली के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंकों के नामों की जानकारी देनी पड़ती है। केंद्रीय बैंक ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक पिछले साल की तरह ही श्रेणी

आधारित संरचना में बना हुआ है। वहीं, एसबीआई और एचडीएफसी बैंक उच्च श्रेणी में चले गए हैं। नियमों के अनुसार, ऐसे संस्थानों को प्रणाली के स्तर पर महत्व के आधार पर चार श्रेणी में रखा जा सकता है।

बैंकों की श्रेणी में हुआ बदलाव

एसबीआई श्रेणी तीन से श्रेणी चार में और एचडीएफसी बैंक श्रेणी एक से श्रेणी दो में स्थानांतरित हो गया। घरेलू स्तर पर व्यवस्था के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी) को लेकर एक अप्रैल, 2025 से एसबीआई के लिए अधिभार 0.8 फीसदी होगा। वहीं, एचडीएफसी बैंक के लिए 0.4 फीसदी होगा।

2023 के आखिरी कारोबारी दिन बाजार कमजोर सेंसेक्स 138 अंक टूटा, निफ्टी 21750 के नीचे

नई दिल्ली ।

मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों के दबाव में भारतीय शेयर बाजार 2023 के आखिरी कारोबारी दिन गिरावट के साथ खुले। सुबह करीब 9.20 बजे बीएसई सेंसेक्स 201 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,208 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 61 अंकों या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,717 पर कारोबार कर रहा था।

साल 2023 के आखिरी दिन सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

निफ्टी और बीएसई सेंसेक्स में इस साल लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और अब तक 8 प्रतिशत बढ़त के साथ दिसंबर 2023 का महीना बाजार के लिए सबसे साल में सबसे बेहतर महीना साबित हो सकता है। सेंसेक्स के शेयरों में से कोटक बैंक, टाइटन, पावर ग्रिड, इंफोसिस और भारती एयरटेल लाल निशान में खुले, जबकि टाटा मोटर्स, नेस्ले, मारुति और आईटीसी हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में एनएसई निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर ये रहे

डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ रुपया

विदेशी कोषों के निरंतर प्रवाह के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा के

कमजोर होने से रुपया लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ और छह पैसे की बढ़त के साथ 83.14 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि मुद्रा कारोबारियों के अनुसार शेयर बाजार की कमजोर धारणा और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से रुपये में तेजी का रुख प्रभावित हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.14 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 83.12 से 83.16 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में कारोबार करता दिखा। इसके बाद स्थानीय इकाई ने डॉलर के मुकाबले 83.14 पर कारोबार किया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 6 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपये में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे की मजबूती के साथ 83.20 के स्तर पर बंद हुआ था।

मोदी सरकार के दस वर्षों के कार्यकाल में टैक्स कलेक्शन तीन गुना हुआ, अब 2024 में क्या होगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के 10 साल के कार्यकाल में व्यक्तिगत आय और कॉरपोरेट कर संग्रह तीन गुना बढ़कर 19 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। लोगों की आय पर रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 में 6.38 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 16.61 लाख करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर - व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर - से संग्रह में अब तक 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस गति से 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में लगभग 19 लाख करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। यह राशि 2023-24 के बजट में बताए गए 18.23 लाख करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक होगी। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार कम दरों और कम छूट के साथ कर व्यवस्था को सरल बनाने की कोशिश कर रही है। 2019 में, सरकार ने छूट छोड़ने वाले कॉर्पोरेट्स के लिए कर की कम दर की पेशकश की। इसी तरह की योजना अप्रैल 2020 में आम लोगों के लिए भी पेश की गई थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में कर स्लैब को युक्तिसंगत बनाकर, मूल छूट सीमा बढ़ाकर तीन लाख रुपये और मानक कटौती 50,000 रुपये कर व्यवस्था को और आकर्षक बनाया गया था। इसे आयकर रिटर्न फॉर्म में डिफॉल्ट कर व्यवस्था भी बनाया गया है। हालांकि, इस साल आरबीआई की लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत क्रेडिट कार्ड खर्च की सालाना सीमा 2.50 लाख डॉलर प्रति व्यक्ति करने के सरकार के प्रस्ताव को कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। विदेशी क्रेडिट कार्ड के खर्च को एलआरएस के तहत लाने के कदम का मतलब यह भी होगा कि भुगतान करते समय स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की कटौती करने की आवश्यकता होगी। बैंकों ने यह भी बताया कि टीसीएस में कटौती करते समय अनुपालन संबंधी समस्याएं होंगी और बाद में सरकार को प्रस्ताव के कार्यान्वयन को टालना पड़ा। आयकर विभाग द्वारा किए गए विभिन्न सुधार उपायों के बाद कर आधार के विस्तार का संकेत देते हुए, व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल आईटीआर की संख्या 2013-14 के 3.36 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में 6.37 करोड़ हो गई, जिसमें 90 प्रतिशत की कुल वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में 26 अक्टूबर, 2023

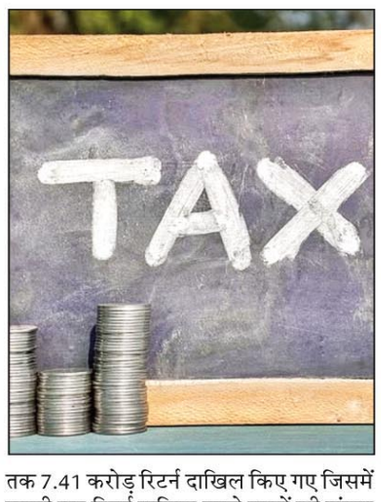

तक 7.41 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए जिसमें पहली बार रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 53 लाख हैं। एक फरवरी को सरकार लेखानुदान पेश करेगी क्योंकि अप्रैल-मई में आम चुनाव होने हैं। चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार की ओर से पूर्ण बजट जुलाई, 2024 में पेश किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 2014 में सत्ता में आई थी। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के भागीदार (प्रत्यक्ष कर) गौरी पुरी ने कहा कि कर प्रशासन के डिजिटलीकरण और अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने पर निरंतर ध्यान देने से उच्च कर अनुपालन दरों में योगदान मिला है। 2024 के लिए उम्मीद यह होगी कि सरकार कर निश्चितता बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष कर प्रावधानों को सुव्यवस्थित करना जारी रखे। प्रत्यक्ष कर संग्रह में चालू वित्त वर्ष में अब तक 20 फीसदी इजाफा होने और हर महीने जीएसटी कलेक्शन में वृद्धि होने से 2024 में भी देश की अर्थव्यवस्था के सकारात्मक रूप से बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मासिक वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल 2023 में 1.87 लाख करोड़ रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023-24 में औसत सकल मासिक जीएसटी संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद की इस साल हुई बैठकों में ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत कर लगाने पर स्पष्टीकरण दिया गया। परिषद ने दो बैठकों के दौरान यह स्पष्ट करने का फैसला किया कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म में प्रवेश के समय लगाई गई पूरी राशि पर 28 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। इसके अलावा, परिषद ने सभी विदेशी ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के लिए जीएसटी अधिकारियों के साथ पंजीकरण करना अनिवार्य बनाने का फैसला किया। जीएसटी अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कथित जीएसटी चोरी के लिए ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को 71 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इनमें से कई कंपनियों ने इस मांग पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया है। इंडसलॉ के पार्टनर (अप्रत्यक्ष कर) शशि मैथ्यूज ने कहा कि कर की उच्चतम दर लगाए जाने से ऑनलाइन गेमिंग उद्योग में तेजी से वृद्धि रुक गई है। उन्होंने कहा, यह उम्मीद की जा सकती है कि सरकार इस उद्योग की परेशानियों पर विचार करेगी। इनमें से कुछ मुद्दे अदालतों के समक्ष लंबित भी हैं और अदालतों से निर्णयों के रूप में भी कुछ राहत की उम्मीद की जा सकती है। कुल मिलाकर, 2024 में इन मुद्दों पर एक सकारात्मक हल निकलता हितधारकों के लिए फायदेमंद होगा।

भारतीय फुटबॉल टीम के लिए शानदार रहा यह साल तीन खिताब जीते; आईएसएल में मोहन बागान का दबदबा

नई दिल्ली ।
फुटबॉल दुनिया में सबसे लोकप्रिय और पसंद किया जाने वाला खेल है। क्रिकेट के प्रति जबरदस्त जुनून है वाले देश में समय के साथ फुटबॉल का क्रेज बढ़ रहा है। साल 2023 ने इसे आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय फुटबॉल टीम ने इस साल कई उतार-चढ़ाव देखें। उसने तीन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतकर फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं।

ट्राई-नेशन इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट - भारत ने मार्च में ट्राई-नेशन इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताबी जीत के साथ साल 2023 की शुरुआत की। टीम ने इंफाल के खुमान लैंपक स्टेडियम में फाइनल में किर्गिस्तान के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट में तीसरी टीम म्यांमार थी। भारत ने दोनों मैच जीते। फाइनल में डिफेंडर संदेश झिंगन ने 34वें मिनट में छह साल में अपना पहला गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। कप्तान सुनील छेत्री ने 84वें मिनट में गोल करके बढ़त दोगुनी कर दी। पहले हाफ के अंत में अनिरुद्ध थापा के एक गोल की मदद से भारत ने शुरुआती मैच में म्यांमार को 1-0 से हरा दिया था। भारत ने दोनों मैच जीते और टूर्नामेंट को अपने नाम किया। लालियानजुआला चांगटे को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया जबकि अनिरुद्ध शीर्ष गोल स्कोरर रहे।

इंटरकॉन्टिनेंटल कप - सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल में लेबनान को हराकर भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2023 का खिताब जीता था। यह भारतीय टीम की लेबनान पर 47 साल में पहली और आठ मुकाबलों में दूसरी जीत थी। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला गया था जिसमें भारत, लेबनान, वानुअतु और मंगोलिया ने भाग लिया था। भारत ने मंगोलिया पर 2-0 की जीत के साथ अभियान की शुरुआत की और इसके बाद वानुअतु पर 1-0 की जीत दर्ज की। भारत ने अपना आखिरी लीग मैच लेबनान के खिलाफ खेला था। वह मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा था। इसके बाद टीम इंडिया ने फाइनल में लेबनान को 2-0 से परास्त कर दिया।

सैफ चैंपियनशिप - भारतीय टीम ने सैफ चैंपियनशिप में सबसे सफल टीम के रूप में हिस्सा लिया। उसने 14 संस्करण में नौ बार खिताब अपने नाम किया। बेंगलुरु के श्री कांतीरावा स्टेडियम में फाइनल में रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में कुवैत को 5-4 से हराकर सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम नौवीं बार विजयी हुई।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को हराया: सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई; कमिंस के टेस्ट में 250 विकेट पूरे

नई दिल्ली । मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने मैच के चौथे दिन ही पाकिस्तान को 79 रन से हरा दिया। पाकिस्तान दूसरी पारी में 237 रन पर ऑल आउट हो गया। पाक कप्तान शान मसूद और आगा सलमान ने अर्धशतक लगाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली इनिंग में पांच विकेट लेने वाले टीम के कप्तान पैट कमिंस दूसरी पारी में भी पांच विकेट लिए। कमिंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त के साथ सीरीज अपने नाम कर ली है। पहले टेस्ट में कंगारू टीम 360 रन से जीत दर्ज की थी। तीसरा और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2024 से सिडनी में खेला जाएगा। कमिंस ने मेलबर्न पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को आउट करते ही अपने 250 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए। कमिंस ने ये कारनामा 57 टेस्ट मैचों में किया है। इसके साथ ही कमिंस ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में 250 से ज्यादा विकेट लेने वाले 10वें गेंदबाज बन गए।
पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली इनिंग में 318 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान टीम 264 रन पर ऑल आउट हो गई। इस आधार पर पहली इनिंग में ऑस्ट्रेलिया को 54 रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 262 रन बना सका और पाकिस्तान को 317 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान 237 रन पर ऑल आउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 187 रन से आगे खेलना शुरू किया। टीम 262 रन पर ऑल आउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 95 रन मिचेल मार्श ने बनाए। उनके अलाव एलेक्स कैरी ने 52 और स्टीव स्मिथ ने 50 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से मीर हमजा और शाहीन अफरीदी ने चार-चार विकेट लिए, जबकि आमिर जमाल को दो विकेट मिले। टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही थी। टीम के लिए अब्दुल्ला शफीक चार रन और इमाम उल हक 12 रन बनाकर आउट हुए थे। टीम के लिए कप्तान शान मसूद ने सबसे ज्यादा 60 रन और आगा सलमान ने 50 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस पांच विकेट लिए। वहीं, मिचेल स्टार्क को चार विकेट मिले। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला। इस मैच में कमिंस को जॉनी मुलाग मेडल से सम्मानित किया गया। बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के बेस्ट खिलाड़ी (मैन ऑफ द मैच) को जॉनी मुलाग मेडल से सम्मानित किया जाता है। जॉनी मुलाग 1868 की ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान थे, जिनके नाम पर इस मेडल का नाम रखा गया। मुलाग विदेशी दौरे पर जाने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान थे। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला मेलबर्न में खेला गया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 187 रन बनाई। इसी के साथ टीम ने 241 रन की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे दिन पाकिस्तान अपनी पहली इनिंग में 194/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और 264 रन पर ऑल आउट हो गया।

वेस्ट हैम के लिए 2023 शानदार रहा : डेविड

लंदन। डेविड मोयेस ने अपनी वेस्ट हैम यूनाइटेड टीम की सराहना की, क्योंकि उन्होंने आर्सेनल टीम

के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ 2023 का यादगार समापन किया, जो प्रीमियर लीग में शीर्ष पर कब्जा करने की कोशिश में थी। टॉमस सौसेक और कॉन्स्टेंटिनो मावरोपानोस के गोल ने मोयेस को सभी प्रतियोगिताओं में आर्सेनल के खिलाफ अपनी पहली जीत दिलाई। मोयेस ने प्रीमियर लीग के हवाले से क्लब की आधिकारिक वेबसाइट को बताया, एक क्लब के रूप में हमारे लिए 2023 शानदार रहा। जिसका समापन भी हमने यादगार तरीके से किया। उन्होंने कहा, हमने हाल के सप्ताहों में कुछ गेम गंवाए हैं, जिससे मुझे नफरत है। मैं कोशिश करता हूं कि मेरी टीमें ऐसा न करें, लेकिन उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। मोयेस ने कहा, उन्होंने सब कुछ एक साथ किया, उन्होंने एक साथ बहुत मेहनत की और हम अंत में पेनल्टी से एक और गोल भी प्राप्त कर सकते थे। उत्तरी लंदन में जीत वेस्ट हैम की लगातार तीसरी लीग सफलता थी और एक महीने के अंत में उसने शीर्ष छह स्टेपल्स टोटेनहम हॉटस्पर, मैनचेस्टर यूनाइटेड और अब आर्सेनल के खिलाफ सफलता देखी है।

हरमोसो-लुईस किस स्कैंडल से लेकर मैथ्यूज के टाइम आउट तक, खेल से जुड़े इस साल के बड़े विवाद

नई दिल्ली ।
खेल एक ऐसी चीज है, जिसके साथ विवाद जुड़ा हुआ होता है। कॉन्ट्रोवर्सी यानी विवाद को खेल का अहम हिस्सा माना जाता है। कोई भी खेल हो, चाहे वह क्रिकेट हो या फुटबॉल, या कबड्डी या हॉकी या फिर कुश्ती, इन सभी खेलों के साथ कोई न कोई विवाद जुड़ा रहा है। साल 2023 खत्म होने को है

फुटबॉल में हरमोसो-रुबियालेस स्कैंडल - फीफा महिला विश्व कप जीतने वाली स्पेन की टीम की सदस्य जेनी हरमोसो ने स्पेनिश सॉकर फेडरेशन के निलंबित अध्यक्ष लुइस रुबियालेस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। विश्व कप के पुरस्कार समारोह के दौरान स्पेन की फॉरवर्ड हरमोसो का आरोप था कि रुबियालेस ने उनकी बिना अनुमति के उन्हें किस किया था। इसके बाद जबरदस्त हंगामा मच गया था। इतना ही रुबियालेस अन्य स्पैनिश खिलाड़ियों को भी किस और गलत तरीके से छूते और गले लगाते दिखे थे। इस घटना ने दुनिया को हिला कर रखा दिया था।

भारत बनाम ईरान कबड्डी मैच में धरना - भारत और ईरान के बीच खेला गया 2023 एशियन गेम्स का पुरुषों का कबड्डी फाइनल भी काफी विवादों में रहा था। फाइनल में भारत और ईरान के खिलाड़ियों के बीच जमकर विवाद हुआ। हालांकि, खिलाड़ी आपस में नहीं भिड़े। मैच रेफरी और दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच जमकर बहस हुई। यह पूरा विवाद रेफरी के एक फैसले को लेकर हुआ था, जो कि भारत के खिलाफ गया था। इस पर भारतीय टीम ने विरोध जताया था। फिर कभी भारत के खिलाड़ी धरने पर बैठे तो कभी ईरान के खिलाड़ियों ने मैट पर बैठकर अपना

इस साल खेल की दुनिया में छाए रहे ये विवाद

विरोध जताया। मैच अधिकारी बार-बार अपना फैसला पलटते रहे। जिस टीम ने ज्यादा दबाव बनाया फैसला उसी के पक्ष में हो गया। 40 मिनट में खत्म हो जाने वाला कबड्डी का मैच विवाद की वजह से लगभग एक घंटे कर रुका रहा। अंत में फैसला भारत के पक्ष में हुआ और भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने स्वर्ण पर कब्जा जमाया था। चीन के हांगझोऊ में हुए एशियाई खेलों में ही भारत के कई एथलीट्स के साथ गलत हुआ था। कबड्डी टीम से पहले एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा-किशोर जेना और ज्योति याराजी के भी मुकाबले विवादों में रहे थे।

एंजेलो मैथ्यूज का टाइम आउट होना - सिर्फ विश्व कप ही नहीं बल्कि पूरे क्रिकेट इतिहास में टाइम आउट विवाद को याद रखा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के 146 वर्षों के इतिहास में श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज टाइम आउट होने वाले पहले क्रिकेटर बने। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में उनके हेलमेट में कुछ समस्या आई। इस वजह से वह तय समय पर गेंद का सामना करने के लिए तैयार नहीं हो सके। बांग्लादेश की अपील पर उन्हें आउट करार दिया गया। इसके बाद तो दुनिया ने कुछ और ऐसे आउट देखे, जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। दिसंबर 2023 में बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम हैंडलिंग द बॉल या यूं कहें ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड (मैदान में बाधा डालना) आउट का शिकार हो गए। मैदान में बाधा डालने पर आउट तब दिया जाता है जब बल्लेबाज गेंद के एक्शन या मोशन में रहते हुए उस हाथ से गेंद के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है, जो हाथ बल्ले पर नहीं है। इस तरह कीवियों ने मैथ्यूज का बदला ले लिया।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को वहां के खेल मंत्रालय ने बर्खास्त किया - विश्व कप में भारत से शर्मनाक हार के कुछ दिन बाद श्रीलंका के पूर्व खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने अपने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। साथ ही बोर्ड में भ्रष्टाचारा का भी खुलासा किया था। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर रणसिंघे का श्रीलंका क्रिकेट के साथ महीनों से विवाद चल रहा था। रणसिंघे ने पिछले सप्ताह विश्व कप में मेजबान भारत के हाथों श्रीलंका की 302 रन की हार के बाद सार्वजनिक रूप से पूरे बोर्ड के इस्तीफे की मांग की थी। भारत के 358 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम एक समय 14 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे और 55 रन पर सिमट गई थी, जो विश्व कप के इतिहास में चौथा सबसे कम स्कोर है। रणसिंघे ने कहा था कि श्रीलंका क्रिकेट के अधिकारियों को पद पर बने रहने का कोई नैतिक या नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, बोर्ड के अधिकारियों को स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने पहले बोर्ड पर देशद्रोही और भ्रष्ट होने का आरोप लगाया था।

बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप, पहलवानों का धरना, कुश्ती संघ निलंबित - यह साल शुरू होने के साथ ही एक विवाद ने सभी का ध्यान खींचा। 18 जनवरी को बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक जैसे दिग्गज पहलवानों ने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण और धमकी का आरोप लगाया तथा उनके इस्तीफे और महासंघ को भंग करने की मांग की। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के बाद पहलवानों ने तब विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया था। खेल मंत्री ने तब कहा था कि आरोपों की जांच के लिए एक निगरानी समिति बनाई जाएगी। इसके बाद कुछ महीने तक मामला शांत रहा। फिर अप्रैल में निगरानी समिति की रिपोर्ट खेल मंत्रालय को सौंपे जाने के बाद कुश्ती संघ ने सात मई को चुनाव की घोषणा की। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। पहलवानों ने जंतर-मंतर पर वापसी की और कहा कि एक नाबालिग समेत सात महिला पहलवानों ने कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई है।

जोकोविच यूनाइटेड कप की शुरुआत से पहले पर्थ पहुंचे

पर्थ।
24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच यूनाइटेड कप से पहले पर्थ पहुंच गए हैं, जहां वह मिश्रित टीम स्पर्धा में सर्बिया का नेतृत्व करेंगे।

वर्ल्ड नंबर 1 पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में उतरा और उसने कोच गोरान इवानिसेविच और अपने सर्बियाई टीम के साथियों के साथ आरएसी एरिना के अंदर जाकर, अपनी रेंज खोजने और हिटिंग करने में बहुत कम समय बर्बाद किया, जैसा कि टूर्नामेंट ने अपनी वेबसाइट पर साझा किया है। जोकोविच यूनाइटेड कप में पदार्पण कर रहे हैं और ग्रुप ई में चीन और चेक गणराज्य के खिलाफ सर्बिया का नेतृत्व करेंगे। 36 वर्षीय सर्ब खिलाड़ी का ऑस्ट्रेलिया में असाधारण रिकॉर्ड है, उन्होंने रिकॉर्ड 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता है। उन्होंने एडिलेड में भी दो बार

(2007, 2023) जीत हासिल की है और 2023 सीज़न के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। उन्होंने 2023 में सात खिताब जीते, जिसमें तीन प्रमुख खिताब और रिकॉर्ड सातवां एटीपी फाइनल्स का ताज शामिल है।

2023 नेक्स्ट जेन एटीपी फ़ाइनल चैंपियन हमाद मेदजेदोविच भी 18 देशों के टूर्नामेंट में सर्बिया का प्रतिनिधित्व करेंगे। पर्थ में रविवार शाम को अपने शुरुआती मैच में जोकोविच का सामना चीन के झांग झिझेन से होना है।

सीनियर कलात्मक जिम्नास्टिक स्पर्धा से वापसी करेगी दीपा

नई दिल्ली । देश की शीर्ष जिम्नास्ट दीपा करमाकर अगले सप्ताह भुवनेश्वर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप चैम्पियनशिप में भाग लेंगी। यह सीनियर कलात्मक जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप दो से चार जनवरी तक खेली जाएगी। दीपा के अलावा इस चैंपियनशिप में प्रणति नायक, योगेश्वर सिंह, राकेश पात्रा, तपन मोहंती, सैफ तंबोली और गौरव कुमार जैसे खिलाड़ी भी शामिल होंगे। दीपा के कोच बिश्वेश्वर नंदी ने कहा, ''दीपा सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। पिछली बार उसने साल 2015 में इस घरेलू प्रतियोगिता में खेला था। यह उसकी अंतिम राष्ट्रीय चैंपियनशिप होगी।'' दीपा ओलंपिक खेलने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट है। वह ट्रायल में शीर्ष पर रहने के बाद भी चीन में हुए एशियाई खेलों के लिए शामिल नहीं थी। इसका कारण है कि दीपा भारतीय खेल प्राधिकरण की पात्रता मापदंड को पूरा नहीं कर पायी थी। पात्रता मापदंड के अनुसार जिम्नास्ट का स्कोर पिछले एशियाई खेलों में आठवें नंबर पर रहे जिम्नास्ट के बराबर होना चाहिए। दीपा चोटिल होने के कारण भी काफी समय बाहर थीं। इसके अलावा उन पर डोपिंग के आरोप में 21 महीने का प्रतिबंध भी लगा था। कोच ने हालांकि कहा कि दीपा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद नहीं छोड़ी है। दीपा घुटने की हल्की चोट से भी उबर गयी हैं।

अंतर क्षेत्रीय सेमीफाइनल में पहुंचा ओडिशा एफसी, आसियान के चैंपियन से होगा मुकाबला

क्वालालंपुर ।
इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम ओडिशा एफसी एएफसी कप फुटबाल टूर्नामेंट के अंतर क्षेत्रीय सेमीफाइनल में आसियान क्षेत्र के चैंपियन से भिड़ेगी जिसका नाम अभी तय नहीं है। एएफसी कप का ड्रॉ डाला गया। ओडिशा एफसी एएफसी कप दक्षिण क्षेत्र का विजेता रहा। उसने इसी महीने ग्रुप डी के अपने अंतिम मैच में बांग्लादेश के बसुंधरा किंग्स को हराया। आसियान क्षेत्र का चैंपियन बनने की दौड़ में चार टीम हैं जिसमें ऑस्ट्रेलिया का सेंट्रल कोस्ट मरीनर्स एफसी, कंबोडिया का पुहनोम पेन क्राउन एफसी, ऑस्ट्रेलिया का मैकआर्थर एफसी और मलयेशिया का सबाह एफसी शामिल है। आसियान क्षेत्र का फाइनल 22 फरवरी को होगा और इसका विजेता ओडिशा एफसी से अंतर क्षेत्रीय सेमीफाइनल में भिड़ेगा जो दो चरण का मुकाबला होगा। पहला चरण छह या सात मार्च को आसियान क्षेत्र के चैंपियन की मेजबानी में होगा जबकि दूसरा चरण 13 या 14 मार्च को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में होगा। अंतर क्षेत्र सेमीफाइनल का विजेता किर्गिस्तान के एफसी अब्दिश अता केंत या चीनी ताइपे के फ्युचुरो एफसी से भिड़ेगा जो सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दो अन्य टीम हैं। अंतर क्षेत्र फाइनल अप्रैल में होगा और इसका विजेता एएफसी कप फाइनल में पांच मई को पश्चिम क्षेत्र के चैंपियन से भिड़ेगा। ओडिशा एफसी आईएसएल का गत चैंपियन है और मौजूदा सत्र में तालिका में तीसरे स्थान पर चल रहा है।

सबसे बड़ा डोपिंग स्कैंडल: राष्ट्रीय खेलों में डोप में फंसे 25 खिलाड़ी, ज्यादातर पदक विजेता हैं शामिल

नई दिल्ली ।
साल के अंत में वर्ष 2023 का सबसे बड़ा डोपिंग स्कैंडल सामने आया है। गोवा में 25 अक्तूबर से 9 नवंबर तक हुए राष्ट्रीय खेलों में रिकॉर्ड 25 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। इनमें नौ एथलीट समेत ज्यादातर पदक विजेता हैं। वेटलिफ्टिंग के भी 7 खिलाड़ी टेस्ट में फेल मिले हैं। इनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। नाडा ने सभी को बी सैंपल कराने को कहा है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने स्टेरॉयड के लिए डोप में फंसने वाले खिलाड़ियों को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि राष्ट्रीय डोप टेस्ट लैबोरेटरी की ओर से टेस्टिंग जारी है। इसमें चार से पांच और खिलाड़ी फंस सकते हैं। इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के डोप में पकड़े जाने से आयोजकों और भारतीय ओलंपिक संघ की नींद उड़ी हुई है।

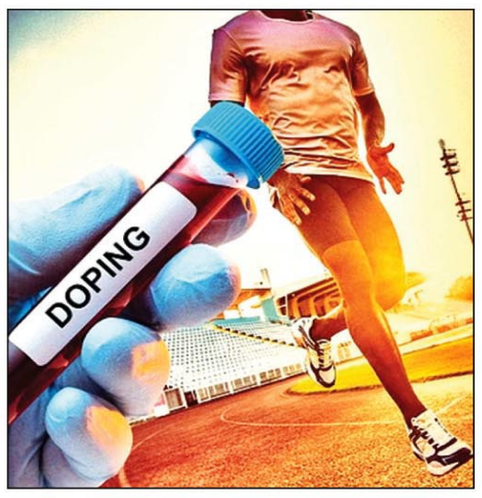

उत्तर प्रदेश की वंदना समेत कई बड़े नाम

डोप टेस्ट में पॉजिटिव खिलाड़ियों में वेटलिफ्टिंग में स्वर्ण जीतने वाली यूपी की वंदना गुप्ता, 200 मीटर का रजत जीतने वाली कमलजीत कौर, 5000 मीटर का कांस्य जीतने वाले अजय कुमार के अलावा एथलीट फरमान अली, प्रवीण कुमार, वी नेहा, हरजोधवीर सिंह, मुक्केबाज भावना, रजत पदक जीतने वालीं साइक्लिस्ट अनीता देवी भी शामिल हैं।

पहली बार बिलियर्ड्स का खिलाड़ी पॉजिटिव

यह पहली बार है बिलियर्ड्स का एक खिलाड़ी भी डोप में पकड़ा गया है। एथलेटिक्स व वेटलिफ्टिंग के अलावा मुक्केबाजी के दो, साइकलिंग, कुश्ती, ट्रायथलन, नेटबाल, कबड्डी व तैराकी के एक-एक खिलाड़ी फंसे हैं।

पहले भी मामले सामने आए, प्रतिबंध तक लगा

2015 में केरल राष्ट्रीय खेलों में 16 खिलाड़ी डोप में पकड़े गए थे। बीते वर्ष गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 10 खिलाड़ी डोप पॉजिटिव पाए गए थे। इनमें राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता संजीता चानू भी थी। उन पर 4 वर्ष का प्रतिबंध भी लगा।

टी20 विश्व कप तक भारत की राह पीढ़ीगत बदलाव, नई चुनौतियों से होकर गुजरेगी

नई दिल्ली ।
क्रिकेट जगत ने विश्व कप में भारत की दिल दहला देने वाली हार के बाद विराट कोहली को अगली पीढ़ी को कमान सौंपते हुए देखा। जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया इसके परिणामों से जूझ रही है, वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप भारतीय क्रिकेट के लिए एक कठिन चुनौती पेश कर रहा है।

टी20 विश्व कप नजदीक होने के साथ, रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ खुद को शीर्ष पर पाते हैं, न केवल कप्तान और कोच के रूप में, बल्कि विश्व खिताब की व्यक्तिगत खोज में लगे व्यक्तियों के रूप में भी। यह कार्यकाल उनके शानदार करियर में छूटे हुए अध्याय को जोड़ने के अंतिम प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। हालाँकि, जारी रखने का निर्णय भारतीय क्रिकेट पदानुक्रम में उत्तराधिकार योजना और दूरदर्शिता पर सवाल उठाता है।

कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे दिग्गजों के अब भी मिश्रण में होने के कारण, सुर्खियों में नई पीढ़ी के होनहार खिलाड़ी हैं। शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, इशान किशन, रुतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह भविष्य में भारतीय क्रिकेट का नेतृत्व करने वाले पथप्रदर्शक के रूप में उभरे हैं।महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस गतिशील समूह का नेतृत्व कौन करेगा, जिससे परिवर्तन में जटिलता आ जाएगी। जैसे-जैसे भविष्य की कप्तानी को लेकर अटकलें तेज होती जा रही हैं, दृढ़ विश्वास वाले नेता की तत्काल आवश्यकता स्पष्ट होती जा रही है। भारत को आगे आने वाली चुनौतियों से निपटने में कप्तान का चयन महत्वपूर्ण होगा।

जहां आगामी टी20 विश्व कप का आकर्षण मजबूत है, वहीं भारत को टीम निर्माण में व्यापक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। 2023 से 2027 तक का अंतर्राष्ट्रीय चक्र तीन प्रमुख वैश्विक व्हाइट-बॉल इवेंट लाता है, जो एक रणनीतिक दृष्टिकोण की मांग करता है जो तत्काल टूर्नामेंटों से आगे बढ़ता है।

अनुभवी खिलाड़ियों के बीच संतुलन और युवा प्रतिभाओं के पोषण की जटिलताएँ एक केंद्रीय विषय के रूप में उभरती हैं। भारत गुणवत्तापूर्ण ऑलराउंडर तैयार करने की चुनौती से जूझ रहा है, चोटों के कारण मौजूदा विकल्प

प्रभावित हो रहे हैं। निस्वार्थ मध्यक्रम बल्लेबाजों की कमी संरचनात्मक दुविधा में एक और परत जोड़ती है। भारतीय बल्लेबाजों में गहरी जड़ें जमा चुकी संचय-केंद्रित मानसिकता टी20 क्रिकेट में आक्रामक मध्यक्रम खेल की मांगों से टकराती है, जिससे एक सांस्कृतिक बदलाव की आवश्यकता होती है। युवा खिलाड़ियों के साथ स्पष्ट संचार, निरंतर अवसर और महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों के लिए मानसिक तैयारी टीम के निर्माण में सर्वोपरि हो जाती है। अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जड़ेजा के लिए उत्तराधिकार की योजना टीम-निर्माण की जटिलताओं को और अधिक रेखांकित करती है, जो एक निर्बाध परिवर्तन की आवश्यकता की ओर इशारा करती है। भारत के टी20 संघर्षों से पता चलता है कि शीर्ष-क्रम की बल्लेबाजी लाइनअप रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल पर बहुत अधिक निर्भर है। हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत की चोट की चिंताओं के साथ उनकी भूमिकाओं को लेकर अनिश्चितता टीम की गहराई और संतुलन पर सवाल उठाती है। इसके अलावा, कप्तान के रूप में रोहित शर्मा की संभावित वापसी नेतृत्व की दुविधा में एक और परत जोड़ती है। जैसे-जैसे आईपीएल 2024 नजदीक आ रहा है, विभिन्न फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करने वाले और विभिन्न पदों पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए चुनौतियां तेज हो गई हैं। लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने की राहुल की इच्छा की रिपोर्ट राष्ट्रीय टीम की रणनीति के साथ तालमेल को लेकर चिंता पैदा करती है। टी20 विश्व कप से पहले सीमित समय इन स्थितिगत दुविधाओं को हल करने की तात्कालिकता बढ़ाता है। आईपीएल, अधिकांश भारतीय खिलाड़ियों के लिए प्राथमिक टी20 मंच होने के नाते, व्यक्तिगत लक्ष्यों को बड़े राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ संरेखित करने में चुनौतियां पेश करता है। टी20 विश्व कप की सफलता के लिए सक्षम टीम तैयार करने में सही संतुलन बनाना महत्वपूर्ण होगा। राहुल द्रविड़ का कोचिंग कार्यकाल, हालांकि सफल रहा, टी20 विश्व कप के लिए योजना की कमी के बारे में सवाल छोड़ जाता है। टीम को रूढ़िवादी टी20 संस्कृति से दूर रखना और आवश्यक बदलावों को अपनाना कोचिंग पहेली का एक महत्वपूर्ण पहलू बन जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्ट इंडीज की परिस्थितियाँ टूर्नामेंट में अप्रत्याशितता का तत्व जोड़ती हैं। जैसे ही भारत टी20 विश्व कप के लिए तैयार हो रहा है, रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ पर दांव ऊंचा हो गया है।

सीमित समय पूर्ण सांस्कृतिक परिवर्तन लाने की उनकी क्षमता में बाधा डालता है, लेकिन साहसिक कदम और रणनीतिक निर्णय भविष्य के लिए दिशा तय कर सकते हैं। यह यात्रा भारतीय क्रिकेट में एक रोमांचक अध्याय का वादा करती है, जहां इन चुनौतियों से निपटना वैश्विक मंच पर टीम की सफलता तय करेगा।

ऑरी के सारे दावों को श्रुति हासन ने बताया फर्जी, कहा–

कौन है वो मैं नहीं जानती

श्रुति हासन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म प्रभास स्टारर सालार से सुर्खियां बटोर रही हैं। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इन सबके बीच अब श्रुति ने उन्हें असभ्य कहने के लिए ओरी उर्फ ओरहान अवत्रामणि पर पलटवार किया है। एक इंटरव्यू में श्रुति ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ऑरी कौन हैं। उन्होंने कहा कि वह लोगों के साथ वैसा ही व्यवहार करती हैं, जैसा लोग उनके साथ करते हैं। इस दौरान श्रुति ने अपनी शादी को लेकर चल रही अफवाहों पर भी खुलकर बात की। अनजान लोगों के लिए, ऑरी ने सालार एक्ट्रेस को असभ्य व्यक्ति कहा था। सोशल मीडिया बर्डी ने हाल ही में रेडिट पर एक एएमए में दावा किया कि जब वे एक-दूसरे से मिले तो श्रुति ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए श्रुति ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह (ओरी) कौन है। मैं अपना काम करने और अपनी जिंदगी जीने में व्यस्त हूं। मैंने हमेशा उन लोगों पर ध्यान केंद्रित किया है जो मेरे जीवन और मेरे आस-पास अच्छी ऊर्जा लाते हैं। मैंने हमेशा यह कहा है और मैं इस पर कायम हूं। मैं एक दर्पण की तरह हूं, मैं लोगों के साथ बिल्कुल वैसा ही व्यवहार करती हूं जैसा मेरे साथ किया जाता है और मुझे इसका कभी अफसोस नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह बहुत बचकाना है। मैं चाहती हूं कि जो लोग मुझे नहीं जानते वे मेरे बारे में बात न करें। मैंने अपनी जिंदगी पूरी खुलेपन और ईमानदारी से जी है। अगर मैं शादीशुदा होता तो मैं इसे क्यों छिपाता? मैंने एक स्पष्टीकरण पोस्ट किया क्योंकि मेरा सोशल मीडिया इस खबर से स्पैम हो गया था... यह हास्यास्पद था। मैं इस पर हंस रही थी।

ईशा कोप्पिकर ने टिमी नारंग से 14 साल बाद लिया तलाक

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर शादी के 14 साल बाद पति टिमी नारंग से अलग हो गई हैं। दोनों पिछले कुछ समय से चल रहे अनुकूलता संबंधी मुद्दों के कारण अलग हो गए हैं। जब उन्होंने मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की, तो ऐसा लगा जैसे बात नहीं बनी। माना जाता है कि ईशा कुछ समय पहले अपनी बेटी के साथ घर से बाहर चली गई थीं। फिलहाल दोनों अपनी प्राइवेसी को सुरक्षित रखना चाहते हैं और इसलिए इस बारे में बात नहीं करना चाहते। ईशा कोप्पिकर की शादी खटाई में पड़ती नजर आ रही है। एक्टर अपने होटल व्यवसायी पति टिमी नारंग से अलग हो गए हैं। जब ई-टाइम्स ने *डॉन* अभिनेता से संपर्क किया, तो उन्होंने

एक टेक्स्ट संदेश भेजा जिसमें कहा गया था कि मुझे कुछ नहीं कहना है। इसे बहुत जल्दी है। मुझे अपनी निजता चाहिए. मैं आपकी संवेदनशीलता की सराहना करूंगा। ईशा ने मुख्य रूप से बॉलीवुड में काम किया है और वह तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी फिल्म उद्योगों का भी हिस्सा थीं। 2000 में फिल्म *फिजा* से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले उन्होंने एक मॉडल के रूप में अपना करियर शुरू किया। बाद में उन्होंने कंपनी (2002), कांटे (2002), पिंजर (2003), डॉन जैसी फिल्मों में काम किया। और डरना मना है सहित अन्य। वह अगली बार तमिल फिल्म अयलान में नजर आएंगी।

स्किपिंग रोप एक्सरसाइज करते समय कुछ गलतियों से बचना है जरूरी

फिटनेस फ्रीक लोग फिट रहने के लिए तरह-तरह की एक्सरसाइज करते हैं। आमतौर पर लोगों को ऐसी फिटनेस रूटीन फॉलो किए जाने की सलाह दी जाती है। जिसे फॉलो करने में खुद को भी मजा आए। हांलाकि हर व्यक्ति अपनी पसंद के हिसाब से फिटनेस रूटीन फॉलो करता है। किसी को योग करना पसंद होता है तो कोई कार्डियो करता है। लेकिन आपको बता दें कि स्कपिंग रोप या रस्सी कूदना एक ऐसा वर्कआउट है। जो लगभग हर किसी को पसंद आता है। हम सभी लोगों में से कई लोग ऐसे हैं, जो बचपन में रस्सी कूदा करते थे। हांलाकि बचपन का यह खेल फिटनेस का एक हिस्सा है। यह खुद को फिट रखने का एक अच्छा तरीका है। भले ही रस्सी कूदना एक अच्छी एक्सरसाइज है, लेकिन इसे सही तरीके के करना काफी जरूरी होता है। लोग रस्सी कूदने के लिए दौरान काफी छोटी-छोटी गलतियां करते हैं। ऐसे में इन गलतियों को करने से बचना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रस्सी कूदने के दौरान किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

अधिक हाथ हिलाना : ज्यादातर लोग रस्सी कूदने के दौरान हाथों को ज्यादा हिलाते हैं। खासतौर पर बिगनर रस्सी कूदने के दौरान अपने हाथों, कोहनी या कंधे को अधिक मूव कर सकते हैं। लेकिन बता दें कि यह अप्रभावी होने के साथ ही थका देने वाला है। इसलिए प्रयास करें कि आइने के सामने खड़े होकर रस्सी कूदें, जिससे आपको अपने शरीर की मूवमेंट को मॉनीटर करने का मौका मिले। इससे आप आसानी से बॉडी मूवमेंट को मॉनिटर कर पाएंगे। रस्सी कूदने के दौरान आपके आर्म्स स्थित होने चाहिए। वहीं कलाइयों से ज्यादा मूवमेंट होनी चाहिए।

अधिक ऊंचा कूदना : बहुत से लोग ज्यादा ऊंचा कूदते हैं, अमूमन यह लगती सभी लोग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना बिलकुल भी सही नहीं माना जाता है। क्योंकि जब आप ज्यादा ऊंचा कूदते हैं, तो आपके बार-बार अटकने की संभावना होती है। साथ ही आपके पैरों पर भी अधिक जोर पड़ता है और आप जल्दी थक जाते हैं। इसलिए रस्सी कूदने के दौरान आपको जमीन से सिर्फ 1-2 इंच ऊपर ही कूदना चाहिए। ऊंचाई आपके घुटनों तक नहीं आनी चाहिए।

वार्मअप ना करना : किसी भी वर्कआउट को करने से पहले वार्मअप किया जाना बेहद जरूरी होता है। इसलिए रस्सी कूदने के दौरान भी इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि कुछ लोग समय बचाने के चक्कर में अच्छे से वार्मअप नहीं करते हैं। वहीं सही तरह से वार्मअप नहीं किए जाने पर रस्सी कूदने से आपको चोट लगने की अधिक संभावना होती है। इसलिए इसे करने से पहले आपको जॉगिंग या फिर जंपिंग जैक आदि कुछ मिनट के लिए करना चाहिए।

एडवांस मूव्स : आपको बता दें कि स्किपिंग रोप एक्सरसाइज में भी कई वैरिएशन होते हैं। लेकिन प्रैक्टिस और लेवल को ध्यान में रखते हुए यह वैरिएशन किए जा सकते हैं। लेकिन कई बिगनर दूसरों की देखा-देखी में क्रॉसओवर या डबल अंडर मूव्स करने लगते हैं। लेकिन बिगनर होने पर इन मूव्स को करने से आपको चोट लगने का अधिक खतरा होता है। इसलिए इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

सत्यमेव जयते
Government of Assam

A unique initiative upholding the right to live with dignity of aging parents and dependent divyang siblings

Assam Employees' PRANAM Act

(The Assam Employees' Parent Responsibility and Norms for Accountability and Monitoring Act, 2017)

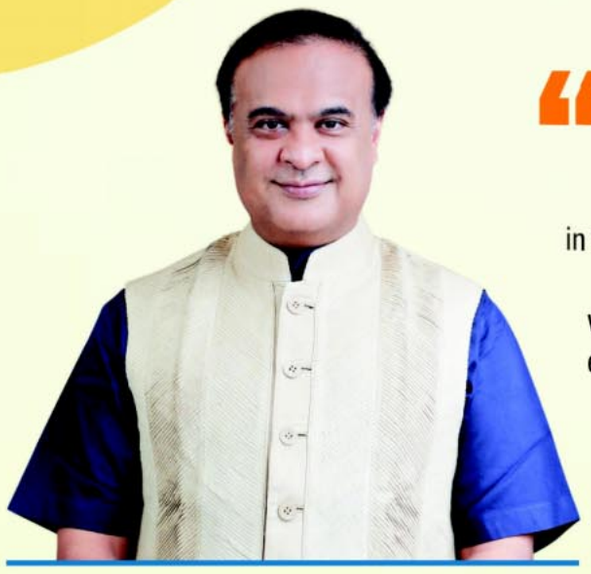

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

"We are very proud that Assam is the first state in the country to implement the **PRANAM Act** which is an effort to protect elderly parents and divyang siblings of Government employees in their times of need"

Salient features

- All employees working under the State Government / Government undertakings / State PSUs come under the purview of this Act
- Three-tier structure with time-bound procedure to deliver timely justice
- If any parent or divyang sibling of the Government employee is financially neglected, compensation up to 10% (and in exceptional cases up to 15%) can be claimed by them from the monthly salary of the employee concerned
- If a government employee dies before retirement, his/her dependent and financially neglected parents and divyang siblings can claim compensation upto 10% (and in exceptional cases up to 15%) from the Compassionate Pension received by the spouse/legal heir. However this is not applicable in the case of Family Pension
- **If the designated authority or appropriate authority has, without any reasonable cause, refused to receive an application or has not disposed of the application within the time-limit, PRANAM Commission will impose a penalty of Rs. 100 per day**

Procedure for seeking compensation

- Aggrieved parents/divyang siblings need to submit their application to the Drawing and Disbursing Officer (DDO), who is the designated authority of the employee concerned. The DDO is empowered to determine the eligibility of the claim and is bound to dispose of the case within 90 days
- In case the DDO fails to dispose of the case within the time limit or if the employee, parent or divyang sibling is aggrieved by the order of the designated authority, appeal may be preferred to the 1st Appellate Authority, the Commissioner & Secretary, GAD, Assam Secretariat, Dispur
- In case the Commissioner & Secretary, GAD fails to dispose of the case within 60 days or if any of the parties concerned is aggrieved by the order, the appeal may be preferred to the PRANAM Commission
- The PRANAM Commission will dispose of the appeal within 90 days and the decision of Commission will be final and binding

Issued in Public Interest by :
PRANAM COMMISSION
GAD Building, Panbazar, Guwahati-781001
Ph-0361-2730515 (Chief Commissioner) & 84740-93342 (Registrar)
Website : https://pranam.assam.gov.in

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam | Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta | Whatsapp 'Assam' at 8287912158

-- Janasanyog /D/15507/ 23

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**